मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 330
शनिवार, 20 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

फुटपाथ पर चलना नागरिकों का मौलिक अधिकार, जो वाहनों के अधिकार से कहीं ऊपर हैं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 19 जून। सुप्रीम कोर्ट ने आज एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि फुटपाथ पर सुरक्षित चलने के अधिकार को नागरिकों का मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि किसी भी सड़क पर गाड़ियों से पहले पैदल चलने वालों का हक है। साथ ही यह भी कहा कि सुरक्षित फुटपाथ न मिलने के कारण किसी नागरिक के अधिकारों का हनन होता है, तो वह संबंधित सरकारी अधिकारियों या एजेंसियों के खिलाफ अदालत जाकर मुआवजे और कानूनी राहत की मांग कर सकता है।

यह ऐतिहासिक फैसला एक दर्दनाक हादसे की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया है। दरअसल एक पिता अपने 5 साल के मासूम बच्चे को स्कूल छोड़ने जा रहे थे, तभी पीछे से आए एक तेज रफ्तार टैंकर ने बच्चे को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस हादसे के लिए शुरूआत में 7.82 लाख का मुआवजा तय किया था। इसे दिल्ली हाईकोर्ट ने घटाकर 4.70 लाख कर दिया गया। दिल्ली हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बदलते हुए पीड़ित पिता को कुल 11.45 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने इस केस को सिर्फ एक एक्सीडेंट न मानकर, देश के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए बड़ा दिशानिर्देश जारी कर दिया। जस्टिस की पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस जगह यह दर्दनाक हादसा हुआ, वहां न तो कोई फुटपाथ था और न ही कोई पेडेस्ट्रियन क्रॉसिंग। कोर्ट ने कहा कि ऐसे हादसे तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हम सड़कों के इस्तेमाल के नजरिए को नहीं बदलते। इंसानी सभ्यता वाहनों के आविष्कार से बहुत पहले से पैदल चल रही है। इसलिए, 'चलने का अधिकार' सबसे मूल और प्राथमिक अधिकार है, जो कार या बाइक जैसे मोटर वाहनों के अधिकार से कहीं ऊपर है।

नवीन पटनायक ने सीएम माझी को घेरा, 'तकनीकी खराबी' पर उठाए तीखे सवाल

ओडिशा, 19 जून। ओडिशा में विपक्ष के नेता और बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को पत्र लिखकर राज्य भर के 18 लाख लाभार्थियों को पिछले तीन महीनों से पेंशन न मिलने का मुद्दा उठाया। अपने पत्र में पटनायक ने कहा कि इस समस्या ने ओडिशा के सबसे कमजोर नागरिकों को मुश्किल में डाल दिया है, जो अब भारी परेशानी, अभाव और भुखमरी के जोखिम का सामना कर रहे हैं। उन्होंने गंजाम की एक महिला पेंशनभोगी की मौत की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसकी कथित तौर पर पेंशन लाभ न मिलने के कारण मौत हो गई। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा मैं पूरे ओडिशा में लगभग 18 लाख लाभार्थियों को पिछले तीन महीनों से पेंशन न मिलने पर गहरी चिंता और दुख के साथ यह पत्र लिख रहा हूँ। इन पेंशनभोगियों में हमारे समाज के सबसे कमजोर वर्ग शामिल हैं - जैसे बुजुर्ग नागरिक, विधवाएँ और दिव्यांग लोग - जिनमें से ज्यादातर अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी के लिए पूरी तरह से इसी पेंशन पर निर्भर हैं। लगातार तीन महीनों तक इस जरूरी मदद के न मिलने से हमारे सबसे कमजोर नागरिक भारी परेशानी, अभाव और यहाँ तक कि भुखमरी के जोखिम का सामना कर रहे हैं। ऐसी खबरें हैं कि गंजाम के बेगुनियापाडा की श्रीमती सबित्री डोरा की पेंशन लाभ न मिलने के कारण मौत हो गई। अपने सबसे कमजोर नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध राज्य में ऐसी स्थिति स्वीकार्य नहीं है।

अपने कार्यकाल के दौरान हर महीने की 15 तारीख को सभी लाभार्थियों को पेंशन ट्रांसफर करने की ₹पारदर्शी₹ प्रक्रिया का ज़िक्र करते हुए, इखऊप्रमुख ने कहा कि मौजूदा समस्या एक सॉफ्टवेयर से जुड़ी दिक्कत के कारण हुई है।

शांति सभी के लिए अच्छी : अमेरिका-ईरान डील पर बोले शशि थरूर

नई दिल्ली, 19 जून। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि एक शांति-प्रिय देश के तौर पर भारत को इस घटनाक्रम का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि इससे देश और दुनिया दोनों को फायदा होगा। समझौते के महत्व पर बात करते हुए थरूर ने कहा कि इससे उन जरूरी चीजों की सप्लाई फिर से शुरू हो सकेगी जो टकराव की वजह से रुक गई थीं।

पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि बात यह है कि हमारे देश को इस तरह के हालात का काफी अनुभव रहा है। एशिया में, यहाँ तक कि दक्षिण कोरिया में भी फैक्टरियाँ बंद हो रही थीं। इसलिए, ऐसे हालात में जब कोई समाधान निकलता है और शांति आती है, तो यह सभी के लिए अच्छा होता है, दुनिया के लिए अच्छा होता है। उन्होंने भारत के लिए आर्थिक फायदों पर भी जोर दिया, खासकर जरूरी चीजों के आयात के मामले में। थरूर ने आगे कहा कि हमें उम्मीद है कि इसके बाद, हमारे तेल और गैस, हमारे फर्टिलाइजर, हमारे एल्युमीनियम की सप्लाई जो वहाँ से आती थी और जो सप्लाई वहाँ फंसी हुई थी, वे सभी आ पाएँगी। इसलिए, जब यह सब हो जाएगा, तो मुझे लगता है कि पूरे देश और दुनिया को इससे फायदा होगा। ग्लोबल स्टेबिलिटी पर भारत का रुख दोहराते हुए उन्होंने कहा, मेरी राय में, हम एक शांति-प्रिय देश हैं और हमें निश्चित रूप से इसका समर्थन करना चाहिए। उनकी ये बातें तब सामने आई हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने वर्चुअली 14-पॉइंट वाले मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किए हैं। इसका मकसद दोनों देशों के बीच दुश्मनी खत्म करना, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और प्रतिबंधों व ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतिम समझौते के लिए बातचीत की 60-दिन की प्रक्रिया शुरू करना है।

कहीं बहा पुल तो कहीं विमान पर गिरी बिजली, बंगाल में भारी बारिश और भूस्खलन से तबाही

कोलकाता, 19 जून। बंगाल के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को हुई भारी बारिश का सामान्य जनजीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा। उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार जिले के हाशिमारा इलाके के एक चाय बगान में बारिश की चपेट में आकर चार साल की बच्ची की मौत हो गई। मृतका का नाम जया उरांव है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मृतका के परिवार के लिए चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग व कलिंपोंग जिलों के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश से भूस्खलन हुआ।

सिलीगुड़ी व मिरिक को जोड़ने वाला एक सेतु क्षतिग्रस्त हो गया। इस सेतु का हाल में निर्माण हुआ था। इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ है। दूसरी तरफ बारिश से कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के कई जिलों के विभिन्न इलाके जलमग्न हो गए, जिससे यातायात बाधित हुआ।

कोलकाता में नगर निगम के सभी पंपिंग स्टेशन युद्धस्तर पर पानी निकालने का काम कर रहे हैं। कंट्रोल रूम भी खोला गया है। हावड़ा जिले के कई स्कूलों में पानी घुस जाने से पढ़ाई बंद करनी पड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी प्रातःकाल से ही राहत व बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। स्थिति अभी पूरी तरह नियंत्रण में है।

कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को खराब मौसम के बीच अगरतला जाने वाले इंडिगो के एक विमान पर आकाशीय बिजली गिर गई। घटना के समय विमान एरोब्रिज 56एल पर खड़ा था। इस घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ए6068 (वीटी-आईपीडब्ल्यू) कोलकाता से अगरतला जाने वाली थी, तभी उसपर वज्रपात हुआ। घटना के बाद सुरक्षा के मद्देनजर विमान में मौजूद सभी यात्रियों को उतार लिया गया।

बाद में उन्हें दूसरे विमान में स्थानांतरित कर अगरतला रवाना किया गया। बिजली गिरने की घटना के दौरान दो ग्राउंड स्टाफ कर्मी मामूली रूप से प्रभावित हुए। उन्हें चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। क्षेत्र में तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश की आशंका को देखते हुए एयरपोर्ट आपरेशंस कंट्रोल सेंटर पहले ही मौसम संबंधी चेतावनी जारी कर चुका था।

4 करोड़ की शराब पर चला बुलडोजर, प्रशासन ने लिया बड़ा फैसला

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा शहर में अधिकारियों द्वारा जब्त की गई चार करोड़ रुपये से ज्यादा की अवैध विदेशी शराब को पुलिस ने रोड रोलर और बुलडोजर का इस्तेमाल करके नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गुजरात में शराबबंदी है, जहां शराब बनाने, बेचने, रखने और पीने पर रोक है।

पुलिस उपायुक्त जे.एम. चावड़ा ने कहा, वडोदरा के कोयली इलाके में 313 अलग-अलग मामलों में जब्त की गई चार करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी शराब को नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को चार सहायक पुलिस आयुक्त, 14 पुलिस निरीक्षक, कलेक्ट्रेट के प्रतिनिधियों व आबकारी विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में रोड रोलर और बुलडोजर का इस्तेमाल कर शराब को नष्ट कर दिया गया। डीसीपी चावड़ा ने कहा कि यह कार्रवाई गुजरात की शराबबंदी नीति को सख्ती से लागू करने और राज्य में अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए की जा रही कोशिशों का हिस्सा थी।

युद्ध में टूटती है सप्लाई चेन, आत्मनिर्भरता ही विकल्प : राजनाथ सिंह

नागपुर, 19 जून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नागपुर में यंत्र इंडिया लिमिटेड की सुविधा में 10,000 टन की अत्याधुनिक एल्युमीनियम एक्सट्रूजन प्रेस के लिए 'भूमि पूजन' किया। उन्होंने इसे आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की बदलाव लाने वाली सोच का प्रतीक बताया। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रोजेक्ट दिखाता है कि भारत कैसे महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आयातक से घरेलू निमार्ता बनने की ओर बढ़ रहा है।

सिंह ने कहा यह हमारी बदलाव लाने वाली सोच का प्रतीक है। जिन जरूरतों के लिए देश को कभी बाहर देखना पड़ता था, उन्हें अब धीरे-धीरे हमारे अपने देश में हमारे अपने नागरिक ही पूरा कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह जरूरी है क्योंकि हम सभी आज दुनिया के हालात देख सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय टकरावों के दौरान ग्लोबल लॉजिस्टिक्स की कमजोरी को बताते हुए, रक्षा मंत्री ने स्वदेशीकरण के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया।उन्होंने कहा, जब युद्ध छिड़ते हैं, तो पूरी सप्लाई व्यवस्था पर असर पड़ता है। इसलिए, ऐसे समय में हर देश चाहता है कि उसकी सुरक्षा से जुड़ी सभी जरूरी चीजें उसके अपने हाथों में हों और उन्हें वह खुद बनाए। भारत के रक्षा क्षेत्र में तेजी से हो रही बढ़ोतरी का ज़िक्र करते हुए, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 के बाद से देश के घरेलू रक्षा उत्पादन और निर्यात में जबरदस्त उछाल आया है। उन्होंने कहा कि हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन सिर्फ.46,000 करोड़ रुपये था। लेकिन आज, मुझे आप सभी को यह बताते हुए खुशी और गर्व हो रहा है कि अगर हम भारत के वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़ों को देखें, तो यह अब बढ़कर रिकॉर्ड 1,78,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

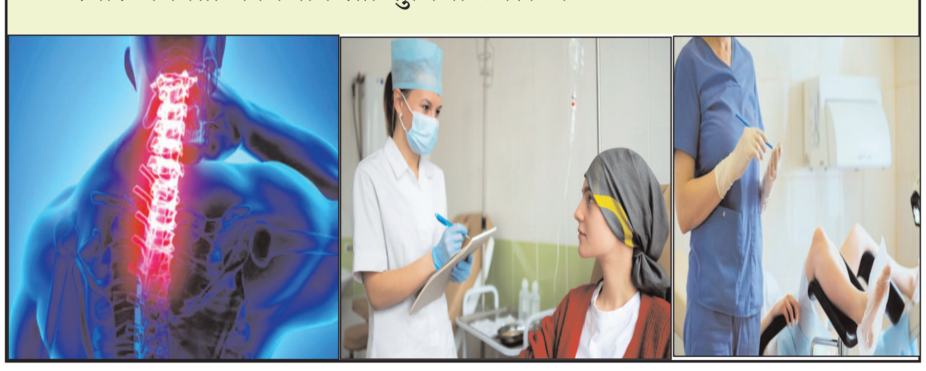

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विश्व योग दिवस- 21 जून, 2026

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

-ललित गर्ग

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को ह्लचित्तवृत्ति निरोधह्ल कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही विश्वगुरु भारत की अवधारणा का मूल है। भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिए योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा। योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रेक्षाध्यान पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यतः आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को प्रेक्षा अर्थात गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वतः समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया। वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

बिखरता विपक्ष, बौना होता कानून और संकट में लोकतंत्र

अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र का ताना-बाना एक मजबूत सत्तापक्ष और एक सजग विपक्ष के बीच संतुलन पर टिका हुआ है। सत्ता की निरंकुशता पर लगाम कसने और जनसरोकारों को संसद की दहलीज तक पहुँचाने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में देश के राजनीतिक परिदृश्य ने एक ऐसा मोड़ ले लिया है, जिसने इस संतुलन को हिलाकर रख दिया है। एक के बाद एक राज्यों में विपक्षी दलों का टूटना, विधायकों का थोक के भाव पाला बदलना और स्थापित क्षेत्रीय दलों का ताश के पत्तों की तरह बिखर जाना अब एक आम परिपाटी बन चुका है। ऐसे में यह सवाल मौजूं हो जाता है कि आखिर यह सिलसिला कब तक चलेगा? और क्या हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएँ और कानून इस राजनीतिक अवसरवाद को रोकने में पूरी तरह अक्षम साबित हो चुके हैं?

एक दौर था जब राजनीति वैचारिक प्रतिबद्धताओं से संचालित होती थी। मतभेद नीतियों पर होते थे, लेकिन दल के प्रति निष्ठा बनी रहती थी। आज की राजनीति पूरी तरह से 'सत्ता-केंद्रित' और 'अस्तित्व रक्षा' के इर्द-गिर्द सिमट गई है। विपक्ष में बैठकर लंबा संघर्ष करने, जनता के बीच जाने और लाठियां खाने का माद्दा अब कम ही नेताओं में बचा है। चुनाव हारते ही या सत्ता से बाहर होते ही नेताओं में छटपटाहट शुरू हो जाती है। विचारधारा की जगह अब शुद्ध राजनीतिक अवसरवाद ने ले ली है।

इस अवसरवाद को हवा देने का काम संविधान की दसवीं अनुसूची यानी दलबदल विरोधी कानून की कमियाँ कर रही हैं। 1985 में जब यह कानून लाया गया था, तब इसका मकसद 'आया राम, गया राम' की संस्कृति पर लगाम लगाना था। लेकिन समय के साथ नेताओं ने इसकी काट ढूंढ निकाली। कानून कहता है कि यदि किसी दल के दो-तिहाई (2/3) विधायक या सांसद एक साथ अलग गुट बनाते हैं, तो उनकी सदस्यता रद्द नहीं होगी। नतीजा यह हुआ कि अब 'खुदरा' दलबदल बंद हो गया है और उसकी जगह 'थोक' में पूरी की पूरी पार्टी को तोड़ने का खेल शुरू हो गया है। कानून जो सुरक्षा कवच बगावत को रोकने के लिए दे रहा था, वही अब बगावत को कानूनी जामा पहनाने का सबसे बड़ा औजार बन चुका है।

पिछले कुछ सालों में विभिन्न राज्यों में सत्ता परिवर्तन और पार्टियों के विभाजन के जो मॉडल सामने आए हैं, वे चिंताजनक हैं। महाराष्ट्र इसका सबसे बड़ा जीवंत उदाहरण बना, जहाँ जून 2022 में शिवसेना के भीतर ऐसा विभाजन हुआ कि दो-तिहाई से अधिक विधायक अलग हो गए और तत्कालीन महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई। इसके बाद देश ने देखा कि कैसे देश के सबसे पुराने क्षेत्रीय दलों में से एक की कमान और चुनाव चिह्न तक बदल गया। इसके ठीक एक साल बाद, जुलाई 2023 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) में भी यही कहानी दोहराई गई। महाराष्ट्र की राजनीति में हाल ही में एक नया सियासी तूफान खड़ा हो गया। अभी कल ही उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (UBT) के 6 लोकसभा सांसदों के एक अलग गुट बनाने और लोकसभा अध्यक्ष से मान्यता मांगने की अटकलों से राज्य में खलबली मच गई है।

5 मई 2026 को पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे आने से पहले किसी ने सपने में भी किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि महीने-डेढ़ महीने में तृणमूल कांग्रेस का बुरी तरह से विभाजन हो जायेगा। पश्चिम बंगाल की तेज तर्रार नेत्री और तब की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छवि उस समय तक एक ऐसी नेत्री की थी जिसे मोदी के विकल्प के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन बंगाल की हार ने सब कुछ बदल दिया। अब वह नेता ही उनको आईना दिखा रहे हैं जो कल तक उनके नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे।

इसी तरह से आम आदमी पार्टी के सात सांसद भी बिना किसी शोरगुल और सुगबुगाहट के बागी हो गये ओर भाजपा में चले गये। कुछ वर्ष पूर्व महाराष्ट्र ने शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस में भी टूट देखी थी, जब उनके ही भतीजे अजीत पवार ने बगावत करके अलग न केवल अपनी पार्टी बना ली बल्कि महाराष्ट्र में बीजेपी गठबंधन सरकार का हिस्सा भी बन गये। यह और बात है कि अजीत पवार अब इस दुनिया में नहीं है और उनकी पत्नी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद वहां की राजनीति में भी बड़ा देखने को मिल रहा है। डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन टूट गया है। बीजेपी की कट्टर विरोधी डीएमके अब मोदी के करीब नजर आ रहे हैं। इसी तरह से आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड भी मोदी सरकार का हिस्सा बनी हुई हैं। खास बात यह है कि जो भी पार्टियां टूटी हैं उसका अलग हुआ धड़ा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बन कर या अलग रहते हुए भी मोदी के करीब आ गया।

अब ताजा चर्चा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी में टूट को लेकर हो रही है। सपा टूटेगी इसकी उम्मीद न के बराबर है, लेकिन अन्य राजनैतिक दलों में जिस तरह से टूट देखने को मिली है उससे सपा में टूट की कुछ खबरों पर लोग विश्वास भी कर रहे हैं। इसकी सुगबुगाहट तब शुरू हुई जब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने दावा किया कि सपा में टूट होने वाली है। राजनीति के कुछ जानकारों का कहना है कि राजनीति में ३धुंआ तभी उठता है जब चिंगारी लगी हो।

वहीं दूसरी ओर, मध्य प्रदेश (2020) और कर्नाटक (2019) में एक अलग रणनीति देखने को मिली थी । यहाँ दलबदल कानून की पेचीदगियों से बचने के लिए विपक्षी विधायकों से सीधे 'इस्तीफे' दिलवाए गए। इस्तीफे देकर सदन की संख्या को कम किया गया, सरकारें गिराई गईं और बाद में उन्हीं विधायकों ने उपचुनाव लड़कर सत्ताधारी दल के टिकट पर वापसी की। बिहार में तो दलबदल और पाला बदलने की अनिश्चितता ने गठबंधन की विश्वसनीयता को ही दांव पर लगा दिया है। इन तमाम उदाहरणों से स्पष्ट है कि अब सरकारें गिराने और पार्टियां तोड़ने के लिए बाकायदा एक कानूनी और रणनीतिक 'ब्लूप्रिंट' तैयार कर लिया गया है।

विपक्ष का लगातार यह आरोप रहा है कि सत्ताधारी दल द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ED), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल एक राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है। कड़े कानूनों (जैसे PMLA) के तहत जेल जाने और व्यापारिक साम्राज्य नष्ट होने के डर से कई नेता अपने राजनीतिक सिद्धांतों का सौदा करने को मजबूर हो जाते हैं। इसे राजनीति के गलियारों में 'वाशिंग मशीन मॉडल' कहा जाने लगा है, जहाँ सत्तापक्ष में शामिल होते ही नेताओं के पुराने मुकदमे ठंडे बस्ते में चले जाते हैं।

हालांकि, सारा दोष सत्तापक्ष या एजेंसियों पर मढ़कर विपक्षी दल अपनी कमजोरियों से आंखें नहीं मूंद सकते। सच यह भी है कि भारत के अधिकांश क्षेत्रीय दल घोर परिवारवाद और केंद्रीकरण के शिकार हैं। इन दलों में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं बची है। जब तक कोई दल सत्ता में रहता है, तब तक असंतोष दबा रहता है। लेकिन सत्ता से बाहर होते ही और शीर्ष नेतृत्व के कमजोर पड़ते ही, जमीनी और महत्वाकांक्षी नेताओं का दम घुटने लगता है। जब पार्टी के भीतर संवाद के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं, तो बगावत की जमीन स्वतः तैयार हो जाती है।

इस पूरे खेल में सबसे बड़ा नुकसान देश के आम मतदाता और लोकतांत्रिक मूल्यों का हो रहा है। जनता चिलचिलाती धूप में कतारों में खड़ी होकर किसी एक दल या विचारधारा के पक्ष में मतदान करती है। लेकिन कुछ ही महीनों बाद उसके द्वारा चुना गया प्रतिनिधि विपक्षी बेंच से उठकर सत्तापक्ष की गोद में बैठ जाता है। यह जनादेश के साथ सबसे क्रूर भद्दा मजाक है। इससे मतदाताओं में राजनीतिक विरक्ति पैदा होती है और उनका लोकतांत्रिक प्रणाली से भरोसा उठने लगता है।

इसके अलावा, भारत एक बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी देश है, जहाँ क्षेत्रीय दल स्थानीय अस्मिता और क्षेत्रीय मुद्दों की आवाज होते हैं। जब राष्ट्रीय दलों की आक्रामक विस्तारवादी नीतियों के कारण क्षेत्रीय दल टूटते हैं या कमजोर होते हैं, तो इससे देश के संघीय ढांचे पर विपरीत असर पड़ता है। एक दलीय प्रभुत्व की ओर बढ़ता देश विविधता के सिद्धांत के खिलाफ है।

गौरतलब है कि विपक्षी दलों के टूटने का यह अंतहीन सिलसिला तब तक नहीं थमेगा, जब तक कि व्यवस्था में कुछ कड़े और क्रांतिकारी सुधार नहीं किए जातेः

दलबदल विरोधी कानून की नए सिरे से समीक्षा होनी चाहिए। सामूहिक दलबदल (2/3 नियम) की छूट को पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। यदि कोई नेता अपनी मूल पार्टी छोड़ता है या इस्तीफा देता है, तो उस पर अगले पांच वर्षों तक किसी भी तरह का चुनाव लड़ने, मंत्री बनने या सरकारी लाभ का पद लेने पर पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए।

दलबदल के मामलों में विधानसभा या लोकसभा के अध्यक्ष की भूमिका अक्सर संदेहास्पद और पक्षपातपूर्ण रही है। सुप्रीम कोर्ट को चाहिए कि वह ऐसे मामलों के फैसले की समय-सीमा तय करे या फिर यह शक्ति किसी स्वतंत्र न्यायाधिकरण या चुनाव आयोग को सौंप दी जाए। विपक्षी दलों को केवल ३सत्ता विरोध३ के नकारात्मक एजेंडे से बाहर निकलना होगा। उन्हें जनता के सामने एक मजबूत, सकारात्मक और वैचारिक विजन रखना होगा। साथ ही, पार्टियों को परिवारवाद के चंगुल से मुक्त होकर अपने कैडर और वफादार जमीनी कार्यकर्ताओं को संगठन में आगे बढ़ाना होगा।सबसे अचूक इलाज देश के मतदाताओं के पास है। जिस दिन जनता दलबदल करने वाले नेताओं को उपचुनावों में हराकर घर बैठाना शुरू कर देगी, उसी दिन से राजनीतिक दलों और नेताओं में अनैतिक पाला बदलने का डर पैदा होगा। एक जीवंत लोकतंत्र के लिए सत्तापक्ष जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी एक सशक्त और एकजुट विपक्ष भी है। यदि विपक्ष इसी तरह बिखरता रहा और टूटता रहा, तो संसद और विधानसभाएं बहस के बजाय केवल औपचारिकता का केंद्र बनकर रह जाएंगी। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और शुचिता अक्षुण्ण रहनी चाहिए। समय आ गया है कि कानून, न्यायपालिका और देश की जनता मिलकर इस राजनीतिक तमाशे पर पूर्णविराम लगाएं, अन्यथा आने वाली पीढ़ियां एक कमजोर और बौने लोकतंत्र का हिस्सा बनने को मजबूर होंगी।

योग : ऋषियों की साधना, विश्व की आवश्यकता

-सुरेश गांधी

सुबह की पहली किरण जब धरती को छूती है, तब प्रकृति कोई शोर नहीं करती। पक्षियों का कलरव भी धीरे-धीरे शुरू होता है। हवा भी मानो मौन साध लेती है। इसी मौन में एक मनुष्य अपनी आंखें बंद कर बैठता है। बाहर से देखने वाले को लगता है कि वह कुछ नहीं कर रहा, लेकिन भीतर एक पूरा ब्रह्मांड जाग रहा होता है। यही योग है। योग केवल शरीर को मोड़ने की कला नहीं, बल्कि स्वयं को जोड़ने की प्रक्रिया है। यह मांसपेशियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मन, बुद्धि, प्राण और आत्मा के बीच संवाद है। आधुनिक दुनिया ने योग को फिटनेस का माध्यम माना, जबकि भारतीय मनीषा ने इसे जीवन का विज्ञान कहा। आज जब दुनिया तनाव, अवसाद, अकेलेपन, प्रदूषण, असंतुलित जीवनशैली और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में मानवीय संवेदनाओं के संकट से गुजर रही है, तब योग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। इस वर्ष का अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी स्वस्थ और सक्रिय वृद्धावस्था पर विशेष बल देता है, जो बताता है कि योग केवल युवाओं के लिए नहीं, बल्कि हर आयु के लिए जीवन का सहारा है

तन का संतुलन, मन का अनुशासन और आत्मा का आलोक-यही है भारत का वह शाश्वत संदेश, जिसे आज पूरी दुनिया योग के रूप में अपना रही है। ३योग३ संस्कृत की 'युज' धातु से बना है, जिसका अर्थ है-जोड़ना। लेकिन यह जोड़ केवल शरीर और श्वास का नहीं, बल्कि मन और विवेक का, आत्मा और परमात्मा का, व्यक्ति और समाज का तथा प्रकृति और सृष्टि का है। सभ्यताओं का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं होता कि उन्होंने कितने नगर बसाए, कितने साम्राज्य खड़े किए या कितने युद्ध जीते। किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि उसने मानवता को जीने की कौन-सी दृष्टि दी। मिस्र ने पिरामिड दिए, यूनान ने दर्शन दिया, रोम ने शासन व्यवस्था दी, आधुनिक पश्चिम ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विस्तार किया; किंतु भारत ने विश्व को जो सबसे अमूल्य उपहार दिया, वह है-योग। योग केवल एक पद्धति नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की वह कालजयी धारा है, जो हजारों वर्षों से मानव जीवन को संतुलन, संयम और समरसता का संदेश देती आई है। यह संयोग नहीं कि आज जब पूरी दुनिया तनाव, अवसाद, अकेलेपन, उपभोक्तावाद और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में मानवीय संवेदनाओं के संकट से जूझ रही है, तब उसकी दृष्टि फिर भारत की ओर उठी है। कारण स्पष्ट है-दुनिया को तकनीक मिल गई, पर शांति नहीं; साधन मिल गए, पर संतोष नहीं; गति मिल गई, पर दिशा नहीं। योग इसी दिशा का नाम है।

योग की सबसे बड़ी शक्ति-यह मनुष्य को मनुष्य बनाता है

दुनिया ने विज्ञान से मशीनें बनाईं, भारत ने योग से इंसान बनाए। विज्ञान ने गति दी, योग ने दिशा दी। विज्ञान ने सुविधाएं बढ़ाईं, योग ने संतोष सिखाया। आज हमारे पास सब कुछ है, लेकिन चैन नहीं। घर बड़े हैं, परिवार छोटे हैं। मोबाइल स्मार्ट हैं, लेकिन रिश्ते कमजोर हैं। सूचनाएं अनगिनत हैं, पर आत्मबोध दुर्लभ है। ऐसे समय में योग हमें याद दिलाता है कि सबसे बड़ी यात्रा बाहर नहीं, भीतर की होती है।

'युज' से योग तक-एक शब्द में समाया संपूर्ण दर्शन

संस्कृत की 'युज' धातु से बना ३योग३ शब्द अपने भीतर भारतीय दर्शन की संपूर्ण यात्रा समेटे हुए है। इसका सामान्य अर्थ है-जोड़ना। किंतु यह जोड़ बाहरी नहीं, भीतरी है। यह मनुष्य को उसके मूल स्वरूप से जोड़ने की साधना है। भारतीय मनीषियों ने बहुत पहले समझ लिया था कि मनुष्य का सबसे बड़ा संघर्ष बाहर नहीं, भीतर है। युद्ध सीमाओं पर कम, मन के भीतर अधिक लड़े जाते हैं। इसलिए उन्होंने अस्त्रों से पहले आत्मा को साधने का मार्ग खोजा। यही योग है। उपनिषदों ने कहा कि आत्मा नित्य, शुद्ध और अविनाशी है, किंतु मनुष्य अपनी इच्छाओं, मोह, अहंकार और विषय-वासनाओं में उलझकर अपने वास्तविक स्वरूप को भूल जाता है। योग उसी विस्मृत सत्य का पुनर्स्मरण है।

ऋग्वेद से पतंजलि तक-योग की हजारों वर्ष पुरानी यात्रा

योग का इतिहास किसी एक व्यक्ति से प्रारंभ नहीं होता। इसके बीज वैदिक साहित्य में दिखाई देते हैं। ऋषियों ने ध्यान, तप, प्राण और आत्मचिंतन के माध्यम से उस चेतना का अनुभव किया, जिसे बाद में योग का स्वरूप मिला। महर्षि पतंजलि ने इस बिखरे हुए ज्ञान को व्यवस्थित कर योगसूत्र की रचना की। केवल 195 सूत्रों में उन्होंने मानव मन का जितना गहरा विश्लेषण किया, वह आज भी मनोविज्ञान के लिए आश्चर्य का विषय है। उनका पहला और सबसे प्रसिद्ध सूत्र है-३योगश्चित्तवृत्ति निरोधः।३ अर्थात चित्त की चंचल वृत्तियों का निरोध ही योग है। यही योग का वास्तविक स्वरूप है। आश्चर्य की बात यह है कि आज जिसे योग समझ लिया गया है-विभिन्न आसन और शारीरिक मुद्राएँ-पतंजलि ने उन्हें योग का अंतिम उद्देश्य कभी नहीं माना। उनके लिए आसन तो योग की यात्रा का केवल एक सोपान था।

योग केवल आसन नहीं, आचरण भी है

अक्सर लोग योग को केवल प्राणायाम और आसनों तक सीमित कर देते हैं, जबकि महर्षि पतंजलि ने योग के आठ अंग बताए-यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन एक घंटा योग करे लेकिन पूरे दिन क्रोध, छल, अहंकार और हिंसा में डूबा रहे, तो वह योग का वास्तविक साधक नहीं हो सकता। योग का पहला पाठ शरीर नहीं, चरित्र है।

भारत ने दुनिया को सबसे शांत क्रांति दी

इतिहास गवाह है कि अधिकांश सभ्यताओं ने दुनिया को हथियार दिए, साम्राज्य दिए, युद्ध दिए। भारत ने दुनिया को बुद्ध दिए, आयुर्वेद दिया, ध्यान दिया और योग दिया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना केवल भारत की सांस्कृतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि यह स्वीकार करना था कि मानवता के भविष्य के लिए योग आवश्यक है। आज 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग से जुड़ चुके हैं।

डिजिटल युग का सबसे बड़ा उपचार

आज की सबसे बड़ी बीमारी केवल मधुमेह या उच्च रक्तचाप नहीं है। सबसे बड़ी बीमारी है-'ध्यान का बिखर जाना'। हर कुछ मिनट में मोबाइल देखना, लगातार सूचनाओं की बौछार, तुलना की संस्कृति, सोशल मीडिया का दबाव-इन सबने मनुष्य की एकाग्रता को कमजोर किया है। योग हमें फिर से वर्तमान में लौटना सिखाता है। जब हम श्वास पर ध्यान देते हैं, तब हम स्वयं से जुड़ते हैं। यही जुड़ाव मानसिक स्वास्थ्य का पहला कदम है।

योग और पर्यावरण-दोनों का रिश्ता सांसों का है

पेड़ ऑक्सीजन देते हैं, योग उसे सही ढंग से ग्रहण करना सिखाता है। नदियां शरीर को जल देती हैं, योग मन को निर्मल करता है। यदि प्रकृति बाहर का संतुलन है, तो योग भीतर का संतुलन है। इसलिए योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चेतना का भी आधार है।

योग और भारतीय परिवार

यदि किसी घर में दिन की शुरूआत पांच मिनट के सामूहिक योग और ध्यान से होने लगे, तो वहां तनाव कम होगा, संवाद बढ़ेगा और पीढ़ियों के बीच दूरी घटेगी। योग परिवारों को केवल स्वस्थ नहीं बनाता, बल्कि उन्हें जोड़ता भी है।

स्वस्थ वृद्धावस्था की नई राह

दुनिया तेजी से वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना कर रही है। योग शरीर की लचक बनाए रखने, संतुलन सुधारने, मानसिक सक्रियता बढ़ाने और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का एक सरल और सुलभ माध्यम माना जा रहा है। यही कारण है कि इस वर्ष योग दिवस का केंद्रीय संदेश भी स्वस्थ वृद्धावस्था पर केंद्रित है।

बाजार बनाम योग

आज योग भी बाजार का हिस्सा बन गया है। महंगे मैट, ब्रांडेड कपड़े, प्रीमियम स्टूडियो और सोशल मीडिया पर आकर्षक तस्वीरें-इन सबके बीच योग का मूल दर्शन कहीं पीछे छूटता दिखता है। सच यह है कि योग को किसी महंगे उपकरण की आवश्यकता नहीं। एक शांत मन, खुला आकाश और नियमित अभ्यास-यही योग की सबसे बड़ी पूंजी है।

योग का अगला अध्याय

अब समय केवल योग दिवस मनाने का नहीं, बल्कि योगमय जीवन जीने का है। यदि योग केवल 21 जून तक सीमित रहा तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। योग तब सफल होगा जब- विद्यालयों में अंक से पहले मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा होगी। कार्यालयों में तनाव प्रबंधन का साधन बनेगा। गांवों में बुजुर्गों के लिए योग केंद्र होंगे। बच्चे स्क्रीन से पहले सूर्य नमस्कार सीखेंगे। परिवार दिन की शुरूआत सामूहिक प्राणायाम से करेंगे।

योग-भारत की आत्मा का वैश्विक परिचय

योग हमें यह नहीं सिखाता कि दुनिया को कैसे बदलें। योग पहले यह सिखाता है कि स्वयं को कैसे बदलें। और इतिहास गवाह है-जब-जब मनुष्य ने स्वयं को बदला है, तब-तब समाज भी बदला है। 21 जून का यह दिन केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं, बल्कि एक निमंत्रण है-अपने भीतर लौटने का, अपनी सांसों को पहचानने का और उस भारतीय ज्ञान परंपरा को फिर से अपनाने का, जिसने हजारों वर्षों पहले कह दिया था- ३जिस दिन मनुष्य स्वयं से जुड़ जाएगा, उसी दिन संसार से उसका संघर्ष समाप्त हो जाएगा।३ यही योग है। यही भारत की सबसे बड़ी सांस्कृतिक धरोहर है। और शायद यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

सोशल मीडिया की चमक में खोती वास्तविक पहचान

आज की दुनिया में पहचान बनाना पहले से कहीं आसान लगता है। एक प्रोफाइल, कुछ तस्वीरें, आकर्षक कैप्शन और देखते ही देखते हम सैकड़ों- हजारों लोगों के बीच ह्यदिखनेह्न लगते हैं। लेकिन इस दिखने की होड़ में एक गहरी सच्चाई छिपी है-हम जितना दूसरों को दिखा रहे हैं, उतना ही कहीं न कहीं खुद से दूर होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया ने हमें अभिव्यक्ति का मंच दिया है, जहाँ हर व्यक्ति अपनी कहानी कह सकता है। लेकिनधीरे- धीरे यह मंच एक प्रतिस्पर्धा में बदल गया है-कौन ज्यादा बेहतर दिखता है, किसकी जिंदगी ज्यादा परफेक्ट है, किसके पास ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इस प्रतिस्पर्धा ने वास्तविकता को पीछे धकेल दिया है और एक कृत्रिम दुनिया को जन्म दिया है, जहाँ सच से ज्यादा ह्यदिखावाह्न महत्व रखने लगा है। हम अपनी जिंदगी के सबसे सुंदर पलों को साझा करते हैं-खुशियाँ, उपलब्धियाँ, मुस्कुराते चेहरे। लेकिन असफलताएँ, संघर्ष और दुख अक्सर पर्दे के पीछे छुपे रह जातेहैं परिणामस्वरूप, जो तस्वीर सामने आती है, वह अधूरी और भ्रामक

-विक्रम दयाल

होती है। दूसरों की इस परफेक्ट जिंदगी को देखकर हम अपनी वास्तविकता से असंतुष्ट होने लगते हैं। यह तुलना धीरे-धीरे हमारी आत्म-छवि को प्रभावित करती है। हम खुद को उसी नजर से देखने लगते हैं, जिस नजर से हमें सोशल मीडिया पर देखा जाता है। लाइक्स और कमेंट्स हमारे आत्मविश्वास का पैमाना बन जाते हैं। अगर प्रतिक्रिया कम मिले, तो हम खुद को कमतर समझने लगते हैं। इस प्रक्रिया में हमारी असली पहचान, हमारी मौलिकता कहीं खोने लगती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम अपनी पहचान बनाने के लिए ही सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं, लेकिन अंततः वही माध्यम हमारी पहचान को धुंधला कर देता है। हम दूसरों को प्रभावित करने के लिए खुद को बदलने लगते हैं-अपनी पसंद, अपने विचार, यहाँ तक कि अपने व्यक्तित्व को भी। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के स्वरूप को भी प्रभावित कर रही है। जब हर व्यक्ति दिखने पर ध्यान देता है, तो होने का महत्व कम हो जाता है। सच्चाई, सरलता और ईमानदारी जैसे मूल्य पीछे छूट जाते हैं, और उनकी जगह ले लेते हैं दिखावा, तुलना और अस्थायी संतुष्टि। लेकिन क्या इस चमक से बाहर निकलना संभव है? हाँ, अगर हम सच को पहचानें। सोशल मीडिया एक साधन है, न कि हमारी पहचान का आधार। हमें यह समझना होगा कि हमारी असली पहचान हमारे विचारों, हमारे कर्मों और हमारे व्यवहार में होती है-न कि एक स्क्रीन पर दिखने वाली तस्वीरों में। हमें खुद को स्वीकार करना सीखना होगा-अपनी कमियों के साथ, अपनी असफलताओं के साथ। क्योंकि वही हमें इंसान बनाती हैं, और वही हमारी वास्तविक पहचान को मजबूत करती हैं। अंततः, यह जरूरी है कि हम सोशल मीडिया का उपयोग करें, लेकिन उसे अपने ऊपर हावी न होने दें। क्योंकि अगर हम अपनी पहचान को दूसरों की नजरों से तय करने लगेंगे, तो एक दिन हम खुद को ही पहचानना भूल जाएंगे।

संदेश यही है-दिखावे की चमक में खोने के बजाय, अपनी सच्चाई को अपनाइए; क्योंकि असली पहचान वही है, जो बिना किसी दिखावे के भी कायम रहती है।

पीड़िता को खरीदकर यौन शोषण करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 8 आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर के नवघर पुलिस स्टेशन ने एक गंभीर मानव तस्करी और यौन शोषण के मामले का पदार्फाश करते हुए पीड़िता को खरीदकर उसका यौन उत्पीड़न करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मिली जानकारी के अनुसार, 3 मार्च 2026 को होली के दिन भायंदर पूर्व निवासी 54 वर्षीय सुरक्षा गार्ड संजय देवनारायण गुप्ता ने नवघर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके साथ रह रही एक नाबालिग पीड़िता होली का सामान लेने घर से निकली थी, जिसके बाद उसे किसी अज्ञात व्यक्ति ने अगवा कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने पीड़िता को भायंदर क्षेत्र से बरामद किया। महिला पुलिस अधिकारी द्वारा पूछताछ में पीड़िता ने चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि शिकायतकर्ता उसका रिश्तेदार नहीं था, बल्कि उसने उसके परिजनों को बेहतर शिक्षा और देखभाल का झांसा देकर हरियाणा के अंबाला से उसे भायंदर लाया था। पुलिस जांच में सामने आया कि पीड़िता के परिवार की आर्थिक स्थिति का फायदा उठाकर उसे यौन शोषण के उद्देश्य से विभिन्न लोगों के बीच लेन-देन किया गया। आरोपियों ने आर्थिक लाभ के लिए आपस में साजिश रचकर पीड़िता का लगातार शोषण किया। इसके बाद मामले में बीएनएस की धारा 64, 64(2)(एम), 65(1), 143(2), 98, 3(5) के अलावा पॉक्सो अधिनियम-2012, अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम (ढक्ळअ)-1956 तथा अन्य संबंधित धाराएं जोड़ी गईं। मामले की जांच के दौरान शिकायतकर्ता संजय देवनारायण गुप्ता और उसकी पत्नी मधु संजय गुप्ता को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। आगे की जांच में पुलिस ने सीमा वर्मा, सुनील शर्मा, राकेश मारवाड़ी उर्फ राकेश रोटंगन, सविलय प्रसाद श्रीवास्तव उर्फ एल आईसी वाला, कुतुबुद्दीन अब्दुल हमीद खान उर्फ राजू तथा रामचंद्र मारुति भोइर को भी गिरफ्तार कर लिया।

इस प्रकार अब तक कुल 8 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है तथा इस अपराध से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त सोहेल शेख, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकुंद यादव के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक राम सुरावसे तथा नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दी।

जिस्मफरोशी के लिए लड़कियां सप्लाई करने वाला एजेंट गिरफ्तार, पीड़िता का रेस्क्यू

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मीरा-भायंदर स्थित काशीमीरा क्षेत्र में देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की महिला अत्याचार प्रतिबंधक एवं विशेष बालक संरक्षण व देखभाल कक्ष की टीम ने एक पुरुष एजेंट को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक पीड़ित युवती को देह व्यापार के दलदल से मुक्त कराया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पेंकर पाड़ा रोड स्थित शिवानी रेजिडेंसी (लोटस लॉजिंग) के पास एक एजेंट ग्राहकों को लड़कियां उपलब्ध कराने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बोगस ग्राहक और पंच की मदद से जाल बिछाया तथा छापा मारकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पिछले लगभग दो वर्षों से मुंबई, ठाणे, मीरा-भायंदर तथा अन्य शहरों के ग्राहकों को युवतियों के फोटो भेजकर देह व्यापार का नेटवर्क चला रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी अब तक 200 से अधिक ग्राहकों को लड़कियां उपलब्ध करा चुका है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस अवैध धंधे में आरोपी के अन्य सहयोगी शामिल हैं या नहीं तथा अब तक कितनी महिलाओं और युवतियों को देह व्यापार में धकेला गया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता तथा अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं रेस्क्यू की गई पीड़िता को नियमानुसार सुरक्षित महिला सुधारगृह भेजने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। अभियान में क्राइम ब्रांच डीसीपी संदीप डोईफोडे, एसीपी मदन बल्लाल, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल राख तथा महिला अत्याचार प्रतिबंधक एवं विशेष बालक संरक्षण कक्ष और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम शामिल रही।

ललित माली की भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के पालघर जिला उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति

पालघर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले तथा राष्ट्रीय हिन्दु सेवा संघ के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष ललित पुखराज माली को भारतीय जनता पार्टी उत्तर भारतीय मोर्चा का पालघर जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति भाजपा संगठन एवं समाजसेवा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए की गई है। यह नियुक्ति भाजपा पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत के मार्गदर्शन में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष रास बिहारी सिंह (आर.बी. सिंह) द्वारा की गई। बोईसर स्थित राहुल इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान ललित माली को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबाजी कोठाले, जिला अध्यक्ष भरत राजपूत, जिला उपाध्यक्ष एवं दहानु नगरपालिका उपनगराध्यक्ष जगदीश राजपूत, जिला सरचिटणीस अशोक वड़े, जिला उपाध्यक्ष प्रशांत संखे, जिला सचिव सत्यप्रकाश सिंह, मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोणे, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नंदन वर्तक, सरावली सरपंच आनंद धोड़ी तथा वाहतुक आघाड़ी के जिला अध्यक्ष अहमद खान सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि ललित माली ने लंबे समय से समाजसेवा, जनकल्याण एवं संगठन के कार्यों में सक्रिय योगदान दिया है। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बोईसर में रिक्शाचालकों के लिए मराठी माझी संवाद भाषा प्रशिक्षण वर्ग को मिला उत्साहपूर्ण प्रतिसाद

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के परिवहन विभाग, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई मराठी साहित्य संघ तथा कोकण मराठी साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वावधान में अमराठी रिक्शाचालकों एवं वाहन मालिकों के लिए आयोजित ह्यमराठी माझी संवाद भाषाह्ल मराठी भाषा प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ 19 जून 2026 को बोईसर में किया गया। प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन सी.टी.ई.एस. इंग्लिश मीडियम स्कूल, एमआईडीसी नाका, बोईसर में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत में कोकण मराठी साहित्य परिषद, बोईसर-तारापुर शाखा के अध्यक्ष प्रो. संजय घरत ने अपने प्रास्ताविक संबोधन में प्रशिक्षण के महत्व और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए रिक्शाचालकों को मराठी भाषा सीखने के लिए प्रेरित किया। कोमसाप जिला प्रतिनिधि सुहास राऊत ने कहा कि मराठी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए रिक्शाचालकों और यात्रियों के बीच संवाद अधिक सहज होना आवश्यक है, इसलिए सभी को इस प्रशिक्षण का लाभ लेना चाहिए।

रिक्शा संघटना के प्रतिनिधि राजाराम पवार ने कहा कि यात्रियों

को भी रिक्शाचालकों से मराठी में संवाद करना चाहिए। वहीं संघटना के प्रतिनिधि संदीप पाटील ने रिक्शाचालकों से जल्द से जल्द प्रशिक्षण पूरा कर प्रमाणपत्र प्राप्त करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के मुख्य उद्घाटक परिवहन अधिकारी हेमचंद्र कोलेकर ने प्रशिक्षण के बाद मिलने वाले प्रमाणपत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी रिक्शाचालकों से प्रशिक्षण लेने की अपील की। इस अवसर पर संघटना के रितेश भोणे, परितोष ठाकूर, अखिलेश सिंह, बाबासाहेब गाजरे, कोमसाप के कोषाध्यक्ष संदीप घरत, सदस्य उल्हास पाध्ये, श्रीमती अंजना सावे, मुख्याध्यापिका रोहिणी नाईक तथा दीपक रावरे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रशिक्षण वर्ग के पहले दिन 33 रिक्शाचालकों ने भाग लेकर मराठी भाषा सीखने की शुरूआत की। कोमसाप की सचिव डॉ. स्मिता मालवदे ने प्रशिक्षण प्रदान किया तथा कार्यक्रम का सूत्रसंचालन व आभार प्रदर्शन भी किया। इस अवसर पर परिवहन अधिकारी हेमचंद्र कोलेकर ने कहा कि 15 अगस्त 2026 तक रिक्शाचालकों को मराठी भाषा प्रशिक्षण पूर्ण कर लेना चाहिए। यदि निर्धारित समय तक प्रशिक्षण नहीं लिया गया तो शासन द्वारा जारी किये जाने वाले निदेशों की जिम्मेदारी स्वयं रिक्शाचालकों की होगी। उन्होंने अधिक से अधिक रिक्शाचालकों से सरल तरीके से मराठी भाषा सीखकर प्रमाणपत्र प्राप्त करने का आग्रह किया।

देसी कट्टे के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार, बाजारपेठ पुलिस की कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। बाजारपेठ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर अपराधी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, बाजारपेठ पुलिस स्टेशन की सीमा में एक व्यक्ति के अवैध हथियार के साथ आने की गुप्त सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कल्याण पश्चिम के सर्वोदय सृष्टि बिल्डिंग के पीछे, काफिला रेतीबंदर इलाके में जाल बिछाया। पुलिस ने मौके से आरोपी सलमान रफीक शेख उर्फ ताड़ी को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी कल्याण पश्चिम के गोविंदवाड़ी स्थित गुजराती मंदिर परिसर का रहने वाला है और वह पहले से ही शातिर अपराधी बताया जा रहा है। फिलहाल, आरोपी ने यह हथियार किस उद्देश्य से अपने पास रखा था, इस संबंध में बाजारपेठ पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है।

सांसदों की बगावत के खिलाफ घाटकोपर में ठाकरे शिवसेना का आक्रोश प्रदर्शन

बागी सांसदों के विरोध में काले झंडे दिखाए, जमकर हुई नारेबाजी

घाटकोपर। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह सांसदों द्वारा किए गए बगावत के ऐलान के बाद राज्यभर में ठाकरे समर्थक शिवसैनिकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। पार्टी के व्हिप का उल्लंघन कर बैठक में अनुपस्थित रहने वाले बागी सांसदों के खिलाफ विभिन्न शहरों में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को मुंबई के घाटकोपर में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की ओर से जोरदार आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया गया। घाटकोपर पश्चिम स्थित रिद्धि-सिद्धि गणेश मंदिर, भटवाड़ी के बाहर आयोजित इस प्रदर्शन में शिवसैनिकों ने बागी सांसदों के खिलाफ काले झंडे दिखाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की। चले जाव... चले जाव... संजय पाटील चले जाव... जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। यह प्रदर्शन विभाग प्रमुख सुरेश पाटील के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर घाटकोपर विधानसभा समन्वयक इमरान शेख, विधानसभा प्रमुख सुभाष पवार, उपविभाग प्रमुख विलास पवार, शाखा प्रमुख संजय कदम, अजय भोसले तथा महाविकास आघाड़ी के शरद कदम सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शिवसैनिक, युवासेना पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। प्रदर्शन के दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों को पार्टी अनुशासन और मतदाताओं के विश्वास का सम्मान करना चाहिए। जनादेश के साथ विश्वासघात करने वालों को शिवसैनिक कभी स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और जनादेश के सम्मान के लिए इस प्रकार के आंदोलन आगे भी जारी रहेंगे। शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए इस प्रदर्शन में बागी सांसदों की भूमिका की कड़ी निंदा की गई तथा पार्टी के प्रति निष्ठा और जनादेश की रक्षा का संकल्प दोहराया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भिवंडी भाजपा द्वारा निशुल्क जनसेवा शिविर का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भिवंडी के फेनागांव स्थित विठोबा नाईक उर्फ बिल्ला सेठ के जनसंपर्क कार्यालय के समीप एक भव्य निशुल्क जनसेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। इस जनसेवा शिविर का आयोजन भाजपा ओबीसी मोर्चा भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष विठोबा नाईक उर्फ बिल्ला सेठ, नगरसेविका गीता विठोबा नाईक तथा भाजपा युवा मोर्चा भिवंडी शहर जिला उपाध्यक्ष

संगीत विठोबा नाईक के नेतृत्व में किया गया। शिविर में नागरिकों के लिए आयुष्मान कार्ड, आभा कार्ड, ज्येष्ठ नागरिक कार्ड, डोमिसाइल प्रमाणपत्र, ई-श्रम कार्ड सहित विभिन्न महत्वपूर्ण दस्तावेजों को बनवाने की निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई गई। क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों ने शिविर में पहुंचकर इन सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम में भाजपा भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष रवि सावंत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। जनहित में आयोजित इस शिविर को नागरिकों का भरपूर समर्थन मिला तथा लोगों ने इसे समाजोपयोगी और सराहनीय पहल बताया।

भिवंडी में केंद्र व राज्य सरकार के विरोध में निकाला मोर्चा, साइकिल पर पहुंचे शहर अध्यक्ष शोएब खान गुड्डू

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और शैक्षणिक घोटालों के विरोध में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के कार्यकताओं ने शहर अध्यक्ष शोएब खान गुड्डू के नेतृत्व में भिवंडी उपविभागीय कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और सीएनजी की लगातार बढ़ती कीमतों से आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। महंगाई के कारण लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है, जबकि बेरोजगारी और भ्रष्टाचार भी लगातार बढ़ रहे हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण करने में विफल रही है, जिससे व्यापार, उद्योग और किसान सभी प्रभावित हो रहे हैं।

शहर अध्यक्ष शोएब खान गुड्डू ने कहा कि देश में शैक्षणिक भ्रष्टाचार और प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के कारण युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ गया है। उन्होंने नीट परीक्षा से जुड़े विवादों का उल्लेख करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपविभागीय अधिकारी अमित सानप के माध्यम से सौंपा गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यालय से उपविभागीय कार्यालय तक निकाले गए मोर्चे में शोएब खान गुड्डू साइकिल पर सवार होकर शामिल हुए।

इस अवसर पर नगरसेवक फराज बहाउद्दीन, पूर्व नगरसेवक इमरान खान, हलीम अंसारी, अर्शद अंसारी, डॉ. तालिश मोमिन, सुरेंद्र मुले, सुरेश पाटिल, मुमताज अंसारी, तुफैल फारूखी, हारून खान, महिला अध्यक्ष स्वाती कांबले सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर मुंबई यूथ कांग्रेस का कल्याणकारी अभियान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई यूथ कांग्रेस ने राहुल गांधी के जन्मदिन पर एक कल्याणकारी अभियान आयोजित किया, जिसमें 500 से अधिक टू-व्हीलर डिलीवरी पार्टनर्स और कैब ड्राइवरों को मुफ्त पेट्रोल दिया गया। यह उनके भारत के मेहनतकश वर्ग के लिए न्याय और सम्मान के विजन को दशार्ता है। यह अभियान 19 जून को दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक मुंबई यूनिवर्सिटी, कालीना कैंपस के पास भारत पेट्रोलियम पर युवा न्याय, गिग वर्कर्स का सम्मान बैनर के तहत आयोजित की गई।

जीनत शब्रिन, मुंबई यूथ कांग्रेस अध्यक्ष कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की करुणा और सेवा की विचारधारा यूथ कांग्रेस कार्यकताओं को बढ़ते ईंधन

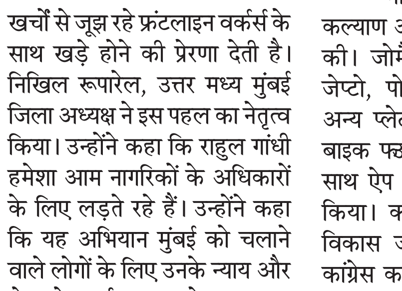

खर्चों से जूझ रहे फ्रंटलाइन वर्कर्स के साथ खड़े होने की प्रेरणा देती है। निखिल रूपारेल, उत्तर मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष ने इस पहल का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमेशा आम नागरिकों के अधिकारों के लिए लड़ते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान मुंबई को चलाने वाले लोगों के लिए उनके न्याय और सेवा के मार्ग पर चलने का हमारा प्रयास है।प्रीति चोकसी, मुंबई महासचिव,महिला कांग्रेस भी उपस्थित थीं और उन्होंने महिला डिलीवरी पार्टनर्स से बातचीत की। उन्होंने सामाजिक न्याय के प्रति राहुल गांधी की प्रतिबद्धता की सराहना की और गिग इकॉनमी में महिलाओं के लिए बेहतर कल्याण और सुरक्षा उपायों की मांग की। जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, जेप्टो, पोर्टर, उबर, ओला और अन्य प्लेटफॉर्म के गिग वर्कर्स ने बाइक फ्ठ या ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ऐप क्ळ दिखाकर ईंधन प्राप्त किया। कालीना तालुका अध्यक्ष विकास जायसवाल और स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं ने वितरण का समन्वय किया।

प्रधानमंत्री के हाथों PM-VBRY के अंतर्गत 2,400 करोड़ रुपए का वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों आज नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से लगभग 2,400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई। PM-VBRY के तहत यह वितरण 15 लाख से अधिक व्यक्तियों के लिए अतिरिक्त रोजगार सृजन को गति देगा, ऐसी अपेक्षा है।

देशव्यापी जनजागरूकता एवं लाभ वितरण अभियान के अंतर्गत देशभर में 200 स्थानों पर समानांतर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई (दादर) द्वारा वर्ली स्थित एचएसएनसी विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना जनजागरूकता एवं लाभार्थी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की प्रमुख उपस्थिति रही।

इस अवसर पर बोलते हुए लोढ़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित PM-VBRY योजना देश में रोजगार सृजन को नई दिशा देने वाली सिद्ध हो रही है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को औपचारिक रोजगार के अवसर मिल रहे हैं तथा नियोक्ताओं को भी रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहन प्राप्त हो रहा है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए ऐसी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी रोजगार-संलग्न प्रोत्साहन योजना है, जिसका उद्देश्य औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना, पहली बार रोजगार क्षेत्र में प्रवेश करने वाले युवाओं को समर्थन देना तथा अतिरिक्त रोजगार सृजन के लिए नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करना है।

99,446 करोड़ रुपए के कुल प्रावधान के साथ PM-VBRY का लक्ष्य दो वर्षों में देशभर में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार सृजन को सुगम बनाना है। इनमें से लगभग 1.92 करोड़ लाभार्थी औपचारिक कार्यबल में पहली बार प्रवेश करने वाले होंगे, ऐसी अपेक्षा है।मुंबई क्षेत्र में भी इस योजना को उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिल रहा है। EPFO मुंबई-1 (बांद्रा) विभाग द्वारा PM-VBRY के भाग-अ के अंतर्गत 39,439 लाभार्थियों को 25.44 करोड़ रुपए से अधिक की राशि वितरित की गई है। वहीं भाग-ब के अंतर्गत 1,815 लाभार्थियों को 110.61 करोड़ रुपए से अधिक का प्रोत्साहन वितरित किया गया है।

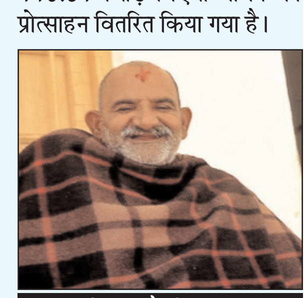

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सई नदी में नहाने गईं तीन किशोरियां डूबीं, दो की मौत, एक की हालत गंभीर

जलालपुर के नहोरा गांव में दर्दनाक हादसा, परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के नहोरा गांव स्थित सई नदी में शुक्रवार को उस समय दर्दनाक हादसा हो गया, जब नदी में गईं तीन किशोरियां गहरे पानी में डूबने लगीं। इस हादसे में दो किशोरियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य किशोरी का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मृतक किशोरियों की पहचान गुड़िया (17 वर्ष) और शिवांगी (17 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद जलालपुर पुलिस और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची।

बचाव दल और स्थानीय लोगों की मदद से तीनों किशोरियों को नदी से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद गुड़िया और शिवांगी को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीसरी किशोरी का इलाज जारी है। उसकी स्थिति पर चिकित्सकों की निगरानी बनी हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही मृतक किशोरियों के परिजन अस्पताल पहुंच गए। दोनों परिवारों में मातम छा गया है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं घटना के संबंध में जांच भी की जा रही है। सई नदी में हुई इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और संवेदना का माहौल है।

डिजिटल संचार के क्षेत्र में सूचना विभाग की प्रभावी पहल

विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चैनल 'सूचना प्रवाह' का हुआ शुभारंभ

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी सहजता पहुंचेगी आमजन तक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा डिजिटल संचार को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चैनल 'सूचना प्रवाह' का शुभारंभ आज लोक भवन, लखनऊ में किया गया।

चैनल का शुभारंभ सूचना निदेशक विशाल सिंह एवं अपर सूचना निदेशक अरविंद कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर निमार्ता फिल्म अभय कुमार श्रीवास्तव, फिल्म निर्माण प्रबंधक संदीप पांडेय सहित सूचना विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

'सूचना प्रवाह' उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का आधिकारिक डिजिटल मंच है, जिसके माध्यम से प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों, उपलब्धियों, जनहितकारी कार्यक्रमों तथा शासन की विभिन्न पहलों से संबंधित प्रमाणिक, तथ्यपरक एवं त्वरित जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाएगी। इसके साथ ही विभाग द्वारा निर्मित वृत्तचित्र, विशेष रिपोर्ट, प्रेरणादायी वीडियो, सरकारी अभियानों तथा महत्वपूर्ण आयोजनों का भी नियमित प्रसारण इस मंच पर किया जाएगा।

इस अवसर पर सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि वर्तमान

समय में डिजिटल मीडिया जनसंचार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में 'सूचना प्रवाह' यूट्यूब चैनल सरकार और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त सेतु सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से नागरिकों को सरकार की योजनाओं, नीतियों एवं विकास कार्यों की विश्वसनीय और प्रमाणिक जानकारी सरल, सहज एवं आकर्षक स्वरूप में उपलब्ध कराई जाएगी।

अपर निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि विभाग समय के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए जनसंचार के नए आयाम स्थापित कर रहा है। 'सूचना प्रवाह' के माध्यम से प्रदेश की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा शासन की उपलब्धियों को अधिक व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाया जाएगा, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं की सही एवं समयबद्ध जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

यह यूट्यूब चैनल प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों के प्रसार का एक प्रभावी मंच बनेगा तथा आमजन और शासन के बीच संवाद को और अधिक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जहर खाने के बाद युवक की मौत, नहर से मिला शव

केराकत थाना क्षेत्र के खर्गसेनपुर गांव की घटना, जांच में जुटी पुलिस

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के खर्गसेनपुर गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में

मौत हो गई। गुरुवार को उसका शव तनवा नहर से बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी सुनील शर्मा (35 वर्ष) के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, पारिवारिक विवाद के चलते सुनील शर्मा ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ खा लिया था। इसके बाद वह घर से निकल गया और काफी देर तक वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा उसकी तलाश की जा रही थी, तभी तनवा नहर में उसका शव मिलने की सूचना मिली।

घटना की जानकारी मिलते ही केराकत पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है, जबकि गांव में शोक का माहौल है।

पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

नीट परीक्षा के अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु 107 बसों की व्यवस्था

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. के निर्देशानुसार जनपद में नीट परीक्षा अभ्यर्थियों की सुविधा के दृष्टिगत रखते हुए 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के लिए विशेष परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। एआरएम रोडवेज द्वारा अवगत कराया गया है कि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित, सुगम एवं समयबद्ध परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु जौनपुर डिपो द्वारा विभिन्न प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा।

जौनपुर डिपो से प्रयागराज, आजमगढ़, गोरखपुर, सुल्तानपुर, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, शाहगंज, अयोध्या, प्रतापगढ़ सहित अन्य महत्वपूर्ण मार्गों पर नियमित बस सेवाओं के अतिरिक्त विशेष बसों की व्यवस्था की गई है। परीक्षा दिवस पर मार्ग पर आवंटित 66 बसे एवं 34 अतिरिक्त बसे का संचालन किया जाएगा, इसके अतिरिक्त 07 स्पेयर बसें भी आरक्षित रखी गई है। कुल 107 बसों की व्यवस्था है। एआरएम रोडवेज ने बताया कि अभ्यर्थियों की संख्या एवं मांग के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर अन्य डिपो की बसों का भी संचालन कराया जाएगा, जिससे किसी भी अभ्यर्थी को आवागमन में असुविधा न हो। परिवहन विभाग द्वारा परीक्षा दिवस पर निर्बाध एवं सुचारु परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

नाबालिग से छेड़खानी और अपहरण का आरोपी 'अमन' गिरफ्तार

शाहगंज पुलिस की कार्रवाई, अश्लील वीडियो दिखाकर बहला-फुसलाकर ले गया था दिल्ली

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, शाहगंज थाना पुलिस ने शुक्रवार को अपहरण, छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है पूरा मामला?: सुरीश समधीपुर निवासी गायत्री देवी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी ने उनकी नाबालिग बेटी को अश्लील वीडियो दिखाकर और डरा-धमकाकर अपने प्रेमजाल में फंसा लिया था। आरोपी स्कूल आते-जाते समय छात्रा से छेड़खानी करता था और बात न करने पर जान से मारने की धमकी देता था। इसके बाद वह नाबालिग को बहला-फुसलाकर दिल्ली ले गया। परिजनों द्वारा लगातार दबाव बनाने पर आरोपी लड़की को कानपुर स्टेशन पर छोड़कर फरार हो गया था। पीड़िता के मोबाइल में आरोपी की अश्लील बातचीत और वीडियो के सबूत मिले हैं। पुलिस ने इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 और पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा (मु0अ0सं0 212/2026) दर्ज किया था।

मलहज मोड़ से हुई गिरफ्तारी: थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह और कांस्टेबल पप्पू कुमार गौड़ की टीम ने शुक्रवार सुबह करीब 07:55 बजे वांछित अभियुक्त अमन यादव (पुत्र राम अचल यादव) को सुल्तानपुर रोड स्थित मलहज मोड़ से धर दबोचा। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई पूरी कर आरोपी को कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है।

बाटी-चोखा रेस्टोरेंट में चोखे के आलू को लेकर विवाद, मारपीट में युवक घायल

भेलूपुर थाने में मुकदमा दर्ज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मशहूर दुगार्कुंड स्थित 'बाटी चोखा' रेस्टोरेंट में खाना खाने के दौरान एक मामूली बात पर बड़ा विवाद हो गया। चोखे में बड़े आलू के टुकड़े को लेकर शुरू हुई बहस देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे सीने में चोट आई है और दांत भी टूट गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, कपसेठी थाना क्षेत्र के बरखी गांव के रहने वाले और हिंदू वाहिनी के जिला प्रभारी आनंद सिंह अपने आधा दर्जन (लगभग 6) साथियों के साथ दुगार्कुंड स्थित प्रसिद्ध बाटी चोखा रेस्टोरेंट में भोजन करने गए थे। भोजन के दौरान परोसे गए चोखे में बड़ा आलू होने को लेकर आनंद सिंह और उनके साथियों ने रेस्टोरेंट कर्मियों से सवाल किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि रेस्टोरेंट परिसर ही अखाड़े में तब्दील हो गया और दोनों तरफ से मारपीट शुरू हो गई। इस मारपीट में मिजार्मुराद के मिल्कीपुर निवासी शिवम सिंह (उम्र 30 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि शिवम सिंह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सगे नाती हैं। दबंगों द्वारा की गई मारपीट में शिवम सिंह के सीने में गंभीर चोटें आई हैं और उनका एक दांत भी टूट गया है।

सामाजिक न्याय और समानता पर जोर, अखिलेश के नेतृत्व में नए भारत के निर्माण का संकल्पः मो.अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अम्बेडकर विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने कहा है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, शहीद बिरसा मुंडा और दशरथ मांझी के सपनों का भारत बनाने का संकल्प समाजवादी आंदोलन के माध्यम से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा ही देश के विकास की वास्तविक आधारशिला है।

कटघरा स्थित पीडीए भवन से जारी प्रेस विज्ञप्ति में अरशद खान ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब समाज के कमजोर, वंचित और शोषित वर्गों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सम्मान और सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि आज भी दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, वनवासी और श्रमजीवी समुदाय बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के दशकों बाद भी बड़ी संख्या में परिवार भूमिहीन हैं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हैं और

रोजगार के अवसरों में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। वनवासी समाज जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के संकट तथा विस्थापन जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है।

अरशद खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में ऐसा भारत बनाने का लक्ष्य है, जहां व्यक्ति की पहचान उसकी जाति, धर्म या आर्थिक स्थिति से नहीं बल्कि उसकी प्रतिभा और मेहनत से हो।

उन्होंने दलित, पिछड़ा वर्ग, वनवासी और अल्पसंख्यक युवाओं के लिए विशेष रोजगार मिशन, भूमिहीनों को भूमि एवं आवासीय पट्टे, वनाधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, आरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने, गरीब छात्रों के लिए निःशुल्क उच्च शिक्षा, श्रमिक समुदायों के लिए सामाजिक सुरक्षा कोष तथा महिलाओं की शिक्षा एवं राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की मांग की।

अरशद खान ने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान, शिक्षा, रोजगार और न्याय नहीं मिल जाता। उन्होंने विश्वास जताया कि संविधान के मूल्यों और सामाजिक समरसता के आधार पर एक समतामूलक भारत का निर्माण संभव है।

योग से स्वस्थ जीवन का संदेश, चिकित्सकों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जौनपुर ऑब्स्टेट्रिक्स एंड

गायनेकोलॉजिकल सोसायटी (JOGS) के तत्वाधान में योग एवं प्राणायाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अंजु कनौजिया ने की। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ शरीर, शांत मन और सकारात्मक सोच का आधार है। वहीं सचिव डॉ. शैली निगम ने सभी का स्वागत करते हुए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर बल दिया।

संरक्षक डॉ. प्रियंवदा ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग तक योग के लाभ पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में क्लिनिकल सेक्रेटरी डॉ. शिखा शुक्ला, वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजू यादव सहित अन्य चिकित्सकों ने सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

अंत में सचिव डॉ. शैली निगम ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ तन, शांत मन और खुशहाल जीवन के लिए नियमित योग अपनाने के संदेश के साथ हुआ।

एक लाख इनामी भोले राजभर को हाईकोर्ट से 60 दिन की गिरफ्तारी पर रोक

एफआईआर निरस्त करने की मांग खारिज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक लाख रुपये के इनामी आरोपी भोले राजभर को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने हत्या के एक मुकदमे में उसकी गिरफ्तारी पर 60 दिनों के लिए रोक लगा दी है। हालांकि, हाईकोर्ट ने उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया और उसे इस अवधि के भीतर निचली अदालत में

आत्मसमर्पण कर जमानत अर्जी दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह मामला खेतासराय थाने में दर्ज आजाद बिन्द दूल्हा हत्याकांड से संबंधित है। भोले राजभर ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर 2 मई को दर्ज एफआईआर को रद्द करने और अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की थी। उसने खुद को बेगुनाह बताते हुए दावा किया था कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है।

राजभर की मांग को खारिजः न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विवेक सारण की खंडपीठ ने इस मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। अदालत ने एफआईआर रद्द करने की राजभर की मांग को खारिज कर दिया। खंडपीठ ने टिप्पणी की कि प्रथम दृष्टया यह मामला एफआईआर निरस्त करने योग्य नहीं है। हालांकि, याचिकाकर्ता के अनुरोध पर उसे निचली अदालत में पेश होकर जमानत के लिए आवेदन करने का अवसर प्रदान किया गया।

बिना लाइसेंस ऑनलाइन कीटनाशक बिक्री पर होगी सख्त कार्यवाही

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद में बिना लाइसेंस के ऑनलाइन माध्यम से कीटनाशको और कृषि रसायनों की बिक्री करने वाले कारोबारियों अब सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार ने ई-कामर्स प्लेटफार्म संचालको ऑनलाइन मार्केटिंग फर्मो और विक्रेताओ को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि बिना वैध लाइसेंस के कीटनाशको का भण्डारण वितरण अथवा बिक्री करना पूरी तरह अवैध और दंडनीय अपराध है और किसान भाइयो से अपील है कि बिना वैध लाइसेंस देखे किसी भी विक्रेता से रसायन की खरीद कदापि न करें।

उन्होंने बताया है कि ई-कामर्स प्लेटफार्म और ऑनलाइन विक्रेता आवश्यक लाइसेंस प्राप्त किये बिना यदि कीटनाशको एवं कृषि रसायनों का ऑनलाइन क्रय-विक्रय करते है तो यह कार्य कीटनाशी अधिनियम, 1968 तथा कीटनाशी नियमावली 1971 प्राविधानो का उल्लंघन है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था बिना लाइसेंस कीटनाशको के भण्डारण, वितरण या विक्री की अनुमति नहीं है। ऐसे मामलों में सम्बंधित अधिनियम और नियमावली के तहत कठोर डंडात्मक कार्यवाई का प्राविधान है। सभी ई-कामर्स प्लेटफार्म, ऑनलाइन मार्केटिंग फर्मो एवं विक्रेताओ को निर्देशित किया गया है कि वे बिना लाइसेंस किसी भी प्रकार के कीटनाशको या कृषि रसायनों की बिक्री अथवा भण्डारण न करे। विभाग द्वारा समय-समय पर निरीक्षण किया जायेगा और जाँच के दौरान यदि किसी संस्था या व्यक्ति के पास बिना अनुमति कीटनाशको का भण्डारण या बिक्री पाई गयी, तो उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही सुनश्चित की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज जांच पड़ताल में जुटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की खबर से गॉव भर सनसनी फैल गयी। जानकारी के अनुसार कोतवाली शाहगंज के ग्राम डोमनपुर निवासी 22 वर्षीय सौरभ यादव पुत्र राम आगरे यादव गाजियाबाद में रहकर मेहनत मजदूरी करता था।एक माह पूर्व वह अपने गॉव डोमनपुर आया था।और खेती बाड़ी करता था।गुरुवार की रात खाना पीना खाकर वह सो गया।शुक्रवार की सुबह जब परिजन उसे उठाने गए तो उसकी शरीर मे कोई हरकत न देख कर घबरा गए तत्काल उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये जहां चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया उसे मृत घोषित कर दिया।मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतू मोर्चरी हाउस भेज कर आगे की विधिक कार्यवाई में जुट गई।

व्यापार मंडल ने उत्तर प्रदेश शासन को ज्ञापन भेजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल माननीय मंडी सचिव उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के नाम नई सब्जी मंडी स्थित मंडी सचिव ध्रुव चौधरी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से नई एप व्यवस्था का विरोध जिसमें मंडी समिति द्वारा गाड़ियों पर नई एप व्यवस्था को बिना व्यापारी संगठनों से परामर्श लिए अनिवार्य कर दिया गया है यह व्यवस्था तकनीकी रूप से जटिल एवं व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार डाल रही है।

मंडी समिति द्वारा दुकानों के मासिक किराए में प्रत्येक वर्ष पांच प्रतिशत की स्वतः वृद्धि की जा रही है कृषि उत्पादों के मूल्य में उतार-चढ़ाव के कारण यह वृद्धि व्यापारियों के लिए असहनीय है अतः इस प्रावधान को तत्काल समाप्त किया जाए। समिति द्वारा वर्ष 2010 के आदेश का अनुपालन नहीं हो रहा है। बी-क्लास सहित अन्य श्रेणी की दुकानों में भी की गई किराया वृद्धि को वापस लिया जाए क्योंकि यह वर्ग पहले से ही सीमित मुनाफे पर कार्य कर रहा है।

ऑनलाइन पोर्टल एवं मंडी ऐप की तकनीकी खामियां सामने आ रही है-मंडी टैक्स जमा करने के बाद भी व्यापारियों को ऑनलाइन बकाया राशि प्रदर्शित हो रहा है सरवर बार-बार डाउन रहता है जिससे टोल पर्ची प्रवेश एवं भुगतान में विलंब होता है लेनदेन का रियल टाइम विवरण पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है जिससे पारदर्शिता का अभाव है। जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने मंडी सचिव से उपरोक्त सभी मांगों को आज ही जिलाधिकारी, जौनपुर कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश मंडी सचिव उत्तर प्रदेश को भेजने का आग्रह किया प्रतिनिधि मंडल में उपस्थित जौनपुर नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी एवं प्रदेश मंत्री महेंद्र सोनकर ने संयुक्त रूप से बताया कि आज 19 जून को संपूर्ण उत्तर प्रदेश के सभी मुख्यालय पर ज्ञापन दिया जा रहा है और उत्तर प्रदेश शासन प्रशासन को अवगत कराया जा रहा है कि यह कानून पूरी तरह व्यापार और व्यापारी विरोधी है इसमें अभिलंब परिवर्तन किया जाए।

प्रतिनिधि मंडल में जिला महामंत्री रामकुमार साहू, नगर महामंत्री मुन्नालाल अग्रहरि, संजय केडिया संतोष साहू बच्चा, विजय अग्रहरी, ज्ञानेन्द्र साहू, सुरेश सोनकर, आनन्द साहू, वेदप्रकाश गुप्ता, योगेश साहू, विजय जायसवाल, यशवंत साहू, रितेश गुप्ता, चंदन जायसवाल, आशीष कुमार, गुलजारी लाल गुप्ता, चन्दन साहू, अरूण कपूर, मंगला प्रसाद साहू, दाऊ जी, रामासरे मौर्या, मनोज साहू, बबलू मौर्या, रत्ती लाल सोनकर, अभिमन्यु साहू आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत सभी अधिकारी प्रमुख जुलूस मार्गों की जानकारी रखें तथा अंजुमन समितियों के साथ समन्वय बनाते हुए आवश्यकतानुसार लाइन स्टाफ की ड्यूटी लगाई जाए। जुलूस मार्गों पर विद्युत दुर्घटना की संभावना होने पर तत्काल विद्युत आपूर्ति बंद कर सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एवं नीट परीक्षा आयोजित होनी है, इसलिए उस दिन अनुरक्षण अथवा निर्माण कार्य के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित न की जाए। किसी भी प्रकार के ब्रेकडाउन की स्थिति में तत्काल मरम्मत कर विद्युत आपूर्ति बहाल की जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि वर्तमान में आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रमों के दौरान संबंधित स्थलों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिन चौपालों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति हो, वहां संबंधित अधिशासी अभियन्ता स्वयं उपस्थित रहें।

बैठक में आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा करते हुए बताया गया कि विद्युत

वितरण खण्ड-तृतीय, जौनपुर में 70 प्रतिशत उपभोक्ता संतुष्ट पाए गए हैं। जिलाधिकारी ने अन्य खण्डों को भी उपभोक्ता संतुष्टि के स्तर में वृद्धि करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में वितरण परिवर्तक (ट्रांसफार्मर) न जलने पाए। यदि ट्रांसफार्मर खराब होता है तो उसे निर्धारित समयावधि में बदलना सुनिश्चित किया जाए तथा ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि कराई जाए। साथ ही उचित क्षमता के फ्यूजों का उपयोग किया जाए।

जिलाधिकारी ने उपभोक्ताओं को समय से सही विद्युत बिल उपलब्ध कराने तथा राजस्व वसूली में वृद्धि करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी से संबंधित जिन उपभोक्ताओं का विद्युत बिल राहत योजना के अंतर्गत अंतिम भुगतान हो चुका है, उनके प्रकरणों में आवश्यक विधिक कार्यवाही एवं अंतिम रिपोर्ट समय से पूर्ण की जाए।

बैठक में सभी वितरण परिवर्तकों की स्मार्ट मीटरिंग शीघ्र पूर्ण कराने, आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व सभी विद्युत पोलों की अर्थिंग कराने तथा विद्युत लाइनों से संपर्क में आने वाली वृक्षों की शाखाओं की छंटाई कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की जनहानि अथवा पशुहानि की घटना नहीं होनी चाहिए। दुर्घटना होने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी वितरण खण्डों को निर्देशित किया कि थ्रू रेट, कलेक्शन एफिशिएंसी, बिलिंग एफिशिएंसी एवं एबीआर जैसे महत्वपूर्ण मानकों में डिस्कॉम के औसत से बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री ध्रुव खाड़िया सहित विद्युत विभाग के उपखण्ड अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध मिठाई-नमकीन कारखानों का गढ़ बना घाटकोपर पूर्व

बीएमसी एन वार्ड की चुप्पी पर उठे तीखे सवाल

-लाल शेखर सिंह चीफ ब्यूरो

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर पूर्व क्षेत्र में कथित रूप से संचालित हो रहे अवैध मिठाई और नमकीन निर्माण कारखानों को लेकर प्रशासन की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई स्थानों पर बिना आवश्यक अनुमति और खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन के उत्पादन कार्य चल रहा है, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि यदि क्षेत्र में अवैध कारखाने खुलेआम संचालित हो रहे हैं तो यह प्रशासनिक निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। नागरिक पूछ रहे हैं कि आखिर ऐसे कारखाने वर्षों से कैसे संचालित हो रहे हैं और जिम्मेदार विभागों को इसकी जानकारी होने के बावजूद ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार कई इकाइयों में स्वच्छता मानकों की अनदेखी, खाद्य सामग्री के रखरखाव में लापरवाही और आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। इसके बावजूद बड़े स्तर पर जांच अभियान न चलाया जाना लोगों में असंतोष पैदा कर रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि खाद्य पदार्थों के निर्माण में लापरवाही सीधे आम जनता के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है। ऐसे में केवल शिकायतों का इंतजार करने के बजाय प्रशासन को नियमित निरीक्षण और पारदर्शी कार्रवाई करनी चाहिए। नागरिकों ने मांग की है कि बीएमसी एन वार्ड, खाद्य एवं औषधि प्रशासन और अन्य संबंधित विभाग संयुक्त रूप से क्षेत्र का सर्वे कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करें तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों और आदिवासी बस्तियों के मुद्दों पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कमिश्नर संग की समीक्षा बैठक

विरार, प्रतिनिधि। वसई-विरार महानगरपालिका में कार्यरत कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की लंबित मांगों तथा आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित की अध्यक्षता में वसई-विरार महानगरपालिका मुख्यालय, विरार पश्चिम में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पृथ्वीराज बी. पी. सहित महानगरपालिका के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न विभागों के अभियंता, श्रमिक संगठन के प्रतिनिधि एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य, जलापूर्ति, कंप्यूटर ऑपरेटर, इंजीनियरिंग तथा अन्य विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों की वर्षों से लंबित समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने प्रशासन को कर्मचारियों की जायज मांगों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में अनंत एंटरप्राइजेज के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों की बकाया अवकाश वेतन राशि के भुगतान, ग्रेच्युटी के लंबित मामलों के समाधान, ईएसआईसी कटौती की पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराने तथा वर्षा ऋतु को देखते हुए उपस्थिति समय में बदलाव जैसे मुद्दों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। प्रशासन ने ग्रेच्युटी संबंधी मामलों में अगले 15 दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके अलावा महानगरपालिका क्षेत्र के आदिवासी गांवों एवं बस्तियों में पेयजल, सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, शौचालय, सामुदायिक मंदिर, श्मशान भूमि तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को इन क्षेत्रों के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आदिवासी एवं वंचित समुदायों तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि संविदा कर्मचारियों, आम नागरिकों और आदिवासी समाज के अधिकारों एवं सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी तथा प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से सभी लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

हिमांशु रॉय लेगेसी अवॉर्ड्स 2026 के जूरी पैनल में शामिल हुईं सुरक्षा, स्वास्थ्य और कला क्षेत्र की दिग्गज हस्तियां

मुंबई। हिमांशु रॉय फाउंडेशन ने आगामी हिमांशु रॉय लेगेसी अवॉर्ड्स 2026 के लिए अपने प्रतिष्ठित जूरी पैनल (निर्णायक मंडल) की घोषणा कर दी है। यह एक राष्ट्रीय पहल है, जो उन असाधारण व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित करती है जिनका कार्य साहस, करुणा, ईमानदारी और देश सेवा के प्रति समर्पित है। राष्ट्रीय सुरक्षा, चिकित्सा व स्वास्थ्य, और भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित दिग्गजों को एक साथ लाकर, यह जूरी विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट और नैतिक काम को मान्यता देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस पैनल में जावेद अहमद, IPS, मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर और सऊदी अरब में भारत के पूर्व राजदूत; शशि व्यास, शास्त्रीय संगीत क्यूरेटर और आयोजक; डॉ. अनिरुद्ध कोहली, ब्रीच कैंडी अस्पताल के सीईओ और प्रमुख रेडियोलॉजिस्ट; अनंत गोयंका, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप, और भावना रॉय, फाउंडर व डायरेक्टर, हिमांशु रॉय फाउंडेशन शामिल हैं। यह जूरी देशभर से प्राप्त नामांकनों का बारीकी से मूल्यांकन करेगी। इसके तहत उन व्यक्तियों और संस्थानों को परखा जाएगा जिन्होंने नैतिकता, नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए समाज पर गहरा और सकारात्मक प्रभाव डाला है। जूरी की घोषणा पर टिप्पणी करते हुए, हिमांशु रॉय फाउंडेशन की फाउंडर और डायरेक्टर, भावना रॉय ने कहा, ह्लहिमांशु रॉय लेगेसी अवॉर्ड्स की कल्पना एक ऐसे मंच के रूप में की गई थी जो उन व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित कर सके जिनका काम ईमानदारी, सेवा और स्थायी प्रभाव को दर्शाता है। हम बेहद भाग्यशाली हैं कि हमें इतनी प्रतिष्ठित और विश्वसनीय जूरी का साथ मिला है।

कृषि में नवाचार, तकनीकी उन्नयन और प्राकृतिक खेती का विस्तार ही किसानों की समृद्धि का आधार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विभाग द्वारा शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा के सभागार में गौ आधारित प्राकृतिक खेती विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। दूसरे दिन की कार्यशाला के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु द्वारा प्राकृतिक खेती कार्यशाला-2026 के अंतर्गत आयोजित कृषि प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न विभागों, संस्थानों एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों, जैविक उत्पादों एवं किसान हित में संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। किसानों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यमंत्री ने कहा कि खेती में हानिकारक रासायनिक उर्वरकों एवं कीट नाशकों के प्रयोग से मृदा उर्वरता में गिरावट आई है खाद्यान्नों का मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, खेती में लागत कम करने एवं गुणवत्ता युक्त भोजन के लिए, प्राकृतिक खेती आज की जरूरत बन गई है। सरकार प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने किसानों से अपील किया कि प्राकृतिक खेती करें तभी खेत की उपजाऊ शक्ति बनी रहेगी। विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद ने कहा कि एक देशी गाय एवं एक नीम के पेड़ से 30 एकड़ तक की खेती की जा सकती है। एमएलसी ने कहा है कि सरकार किसानों की समृद्धि के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फसल बीमा योजना, सोलर पंप योजना, यंत्रीकरण आदि इन योजनाओं का लाभ उठा कर प्राकृतिक खेती करके अपनी समृद्धि कर सकते है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. सुरेश कुमार, डा. आरके सिंह द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती के इनपुट बीजामृत, जीवामृत, मलचिंग एवं वाफसा तैयार करके उसके उपयोग की विस्तृत जानकारी दिया गया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति एवं संचालन डिप्टी पीडी आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया। इस मौके पर जिला महामंत्री पीयूष जायसवाल, जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा नरेन्द्र उपाध्याय, अजय सिंह, ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव, डी.डी. एग्रीकल्चर डा. अश्वनी कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी द्वितीय कमलजीत सिंह सहित प्राकृतिक खेती करने वाले किसान, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण उपस्थित रहे।

घाटकोपर पूर्व में वृक्षारोपण का आयोजन

मुंबई। पर्यावरण के संरक्षण को मद्देनजर रखते हुए घाटकोपर पूर्व ब्लॉक क्रमांक १३१ की ओर से राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर पंतनगर के आचार्य अत्रे मैदान में भव्य वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक क्रमांक १३१ के ब्लॉक अध्यक्ष विदेश पाल सिद्धू की ओर से किया गया। पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देने वाले इस उपक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक वीरेंद्र बख्शी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष केतन शाह, मनीषा सूर्यवंशी और ब्लॉक क्रमांक १३१ के अध्यक्ष विदेश पाल सिद्धू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस दौरान पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ का नारा दिया गया।

दो रिहायशी मड़हे राख, सामान जला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के कबूलपुर धरिकार बस्ती में शुक्रवार दोपहर अचानक लगी आग से दो रिहायशी मड़हे जलकर राख हो गए। आग की चपेट में आने से नकदी, खाद्यान्न और घरेलू उपयोग का सामान नष्ट हो गया। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। उक्त गांव निवासी अशोक कुमार धरिकार मजदूरी के लिए बाहर गए थे, जबकि उनकी पत्नी दवा लेने कबुलपुर बाजार गई थीं। इसी दौरान उनके मड़हे में आग लग गई। ग्रामीणों ने उन्हें घटना की सूचना दी। जब तक वह मौके पर पहुंचीं, तीन मड़हों में से दो पूरी तरह जल चुके थे। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और एक मड़हे को जलने से बचा लिया। आग से करीब पांच हजार रुपये नकद, खाद्यान्न तथा अन्य गृहस्थी का सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार के सामने रहने और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। अशोक कुमार मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सूचना पर पहुंचे ग्राम प्रधान मुजम्मिल ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए कहा कि दो से तीन दिनों के भीतर उनके रहने के लिए सीमेंट शेड की व्यवस्था कराई जाएगी।

पौहारी बाबा सरोवर में फिसलकर डूबी युवती, दर्शन-पूजन के दौरान हुआ हादसा

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। अतरौलिया थाना क्षेत्र के सरैया गांव स्थित प्रसिद्ध पौहारी बाबा सरोवर में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में 20 वर्षीय युवती की डूबने से मौत हो गई। युवती अपने परिवार के साथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने आई थी। घटना के बाद मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान अंबेडकर नगर जनपद के नीवा गांव निवासी कुसुम देवी (20) के रूप में हुई है। वह अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पौहारी बाबा मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए पहुंची थी। दर्शन के दौरान वह सरोवर के किनारे गई, जहां सीढ़ियों पर जमी काई के कारण उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सरोवर की सीढ़ियों पर लंबे समय से काई जमी हुई है, जिससे वहां काफी फिसलन बनी रहती है। कुसुम जैसे ही सीढ़ियों से नीचे उतरने लगी, उसका संतुलन बिगड़ गया और वह

पानी में गिर गई। घटना को देखकर आसपास मौजूद श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने शोर मचाया तथा उसे बचाने के लिए तत्काल प्रयास शुरू कर दिया, लेकिन तब तक वह गहरे पानी में समा चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद युवती को सरोवर से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद पूरे परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

सूचना पाकर अतरौलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी देवेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला फिसलकर सरोवर में डूबने का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सरोवर की सीढ़ियों पर जमी काई की नियमित सफाई कराने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बेहतर इंतजाम किए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अनाथ बच्चों के संग मना राहुल गांधी का जन्मदिन, फल-मिठाई बांटकर बांटी खुशियां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 56वां जन्मदिन शनिवार को जिले में सेवा, समर्पण और मानवता के संदेश के साथ मनाया गया। नगर के मछलीशहर पड़ाव स्थित एक अनाथालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बच्चों के बीच पहुंचकर जन्मदिन की खुशियां साझा कीं। इस दौरान बच्चों को फल, मिठाइयां एवं अन्य उपयोगी सामग्री वितरित की गई। अनाथालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखर गई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने बच्चों के साथ समय बिताया, उनका हालचाल जाना और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का माहौल आत्मीयता और संवेदनशीलता से सराबोर रहा। शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि हमारे प्रिय नेता राहुल गांधी का जन्मदिन केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को याद करने का भी दिन है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ खुशियां साझा करना सबसे बड़ा मानवीय कार्य है और कांग्रेस हमेशा सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्ध रही है। जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों की आवाज उठाते रहे हैं। उनके जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए अनाथ बच्चों के बीच पहुंचना हम सभी के लिए गर्व और संतोष का विषय है। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकताओं ने राहुल गांधी के दीघार्यु, स्वस्थ एवं सफल राजनीतिक जीवन की कामना की। इस दौरान बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और मिठाइयां पाकर अपनी खुशी जाहिर की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक खुशियां पहुंचाना ही राहुल गांधी की राजनीति और विचारधारा का मूल उद्देश्य है। इसी भावना के साथ उनका जन्मदिन जनसेवा और मानवता के प्रति समर्पण के रूप में मनाया गया। इस मौके पर सभासद शाहनवाज मंसूर , लालप्रकाश पाल,अनिल सोनकर, इकबाल हुसैन,

सीएनसीएफ और स्लैशडाटा की रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि भारत 2.25 मिलियन डेवलपर्स के साथ सबसे बड़े क्लाउड नेटिव समुदायों में से एक

मुंबई। क्लाउड नेटिव कंप्यूटिंग फाउंडेशन सीएनसीएफ (CNCF®), जो क्लाउड नेटिव सॉफ्टवेयर के लिए टिकाऊ इकोसिस्टम बनाता है, ने आज स्लैशडाटा (SlashData) के सहयोग से अपनी नवीनतम 'भारत में क्लाउड नेटिव डेवलपमेंट की स्थिति' रिपोर्ट के नए नतीजे जारी किए। 100 देशों के 12,500 से अधिक डेवलपर्स के डेटा पर आधारित यह रिसर्च भारत के क्लाउड नेटिव इकोसिस्टम की निरंतर वृद्धि, हाइब्रिड क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने में बढ़ोतरी और एआई (AI) डेवलपमेंट को सपोर्ट करने में क्लाउड नेटिव टेक्नोलॉजी की बढ़ती भूमिका को उजागर करती है। रिपोर्ट का अनुमान है कि क्यू1 (Q1) 2026 तक भारत में लगभग 2.25 मिलियन क्लाउड नेटिव डेवलपर्स हैं, जो दुनिया भर के 20 मिलियन क्लाउड नेटिव डेवलपर्स का लगभग 11% है। यह भारत को दुनिया के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते क्लाउड नेटिव समुदायों में से एक बनाता है। भारत में क्लाउड नेटिव को अपनाने की गति हाइब्रिड क्लाउड डिप्लॉयमेंट, कुबेरनेट्स (Kubernetes) को अपनाने और एआई (AI) डेवलपमेंट जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक रुझानों से आगे बनी हुई है। सीएनसीएफ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर जोनाथन ब्राइस ने कहा, इंडस्ट्री एआई (AI)-असिस्टेड टूलिंग से हटकर ओपन स्टैंडर्ड्स पर बने AI-नेटिव सिस्टम की ओर बढ़ रही है। भारत में हम जो वृद्धि देख रहे हैं, वह केवल इसे अपनाने के बारे में नहीं है, यह उस समुदाय के बारे में है जो सक्रिय रूप से ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है जो बड़े पैमाने पर इन्फरेंस को संभव बनाता है और इसके लिए उन्हीं क्लाउड नेटिव स्टैंडर्ड्स का उपयोग करता है जो बाकी दुनिया को संचालित करते हैं।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने ओंकारेश्वर ममलेश्वर ज्योतिलिंग के दर्शन कर किया अभिषेक

प्रेम चंद मिश्रा

इंदौर (उत्तरशक्ति)। श्रीमती द्रौपदी मुर्मू भारत की 15वीं और वर्तमान राष्ट्रपति हैं। उन्होंने 25 जुलाई 2022 को पदभार ग्रहण किया था। वह भारत की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं और आदिवासी समुदाय से सर्वोच्च पद पर पहुँचने वाली पहली व्यक्ति हैं। इससे पहले वह झारखंड की राज्यपाल पद को सुशोभित कर चुकी हैं। इन दिनों इंदौर के 18 जून गुरुवार से 20 जून तक तीन दिवसीय यात्रा के दौरान देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित पवित्र तीर्थ ओंकारेश्वर पहुंचकर बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए। उन्होंने द्वादश ज्योतिलिंगों में शामिल ओंकारेश्वर और ममलेश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मु का आगमन निमाड़ अंचल के

लिए ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ। लगभग 38 वर्षों बाद किसी राष्ट्रपति ने ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए हैं। इससे पूर्व वर्ष 1988 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर. वेंकटरमण ने यहां पूजा-अर्चना की थी। द्रौपदी मुर्मु इस पवित्र धाम में दर्शन करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति बनीं ।राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मंदिर परिसर और निर्धारित मार्गों पर विशेष इंतजाम किए गए। प्रोटोकॉल के तहत दोपहर बाद आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन अस्थायी रूप से रोक दिए गए थे। राष्ट्रपति ने झूला पुल क्षेत्र से मंदिर तक महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन से लाई गई बैटरी कार के माध्यम से यात्रा की। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

वायरल रील के लिए युवती ने जोखिम में डाली जान, घुघली रेलवे स्टेशन का वीडियो चर्चा में

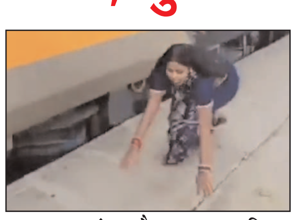

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ में लोग अपनी जान तक जोखिम में डालने से नहीं चूक रहे हैं। ताजा मामला महराजगंज जिले के घुघली रेलवे स्टेशन का सामने आया है, जहां एक युवती चलती ट्रेन के बेहद करीब खड़े होकर रील बनाती नजर आई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में युवती प्लेटफॉर्म पर खड़ी होकर चलती ट्रेन के पास खतरनाक अंदाज में वीडियो शूट कराती दिखाई दे रही है। ट्रेन उसके बेहद नजदीक से गुजरती है, जिससे किसी भी क्षण बड़ा हादसा हो सकता था। वीडियो देखकर लोग हैरानी जता रहे हैं और इसे गंभीर लापरवाही बता रहे हैं। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो घुघली रेलवे स्टेशन का है। हालांकि वीडियो की तिथि और युवती की पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। रेलवे सुरक्षा नियमों के अनुसार चलती ट्रेन से सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोकप्रियता पाने की चाह में कई लोग इन नियमों को नजरअंदाज कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे स्टंट न केवल संबंधित व्यक्ति के लिए बल्कि अन्य यात्रियों और रेलवे संचालन के लिए भी खतरा पैदा कर सकते हैं। लोगों ने रेलवे प्रशासन से इस तरह की घटनाओं पर निगरानी बढ़ाने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ सेकंड की रील या वायरल वीडियो के लिए जान जोखिम में डालना बेहद खतरनाक है। युवाओं से अपील की जा रही है कि वे सोशल मीडिया के लिए कंटेंट बनाते समय सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार के जानलेवा स्टंट से बचे।

पीएनबी की एफसीएनआर जमा पर प्रति वर्ष 6.60 प्रतिशत तक की आकर्षक ब्याज दरों की पेशकश

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) एफसीएनआर (बी) जमा खातों पर और अधिक आकर्षक ब्याज दरों की घोषणा की है, जिससे अनिवासी भारतीय अपनी कमाई के अनुसार विदेशी मुद्रा में ही अपनी बचत बढ़ा सकेंगे, साथ ही उन्हें प्रतिस्पर्धी रिटर्न और पूरी तरह से पैसा स्वदेश भेजने की सुविधा भी मिलेगी। एफसीएनआर (बी) जमा योजना के अंतर्गत, ग्राहक पांच साल तक की अवधि की जमा राशि पर प्रति वर्ष 6.60% तक की ब्याज दरें अर्जित कर सकते हैं। यह योजना प्रमुख विदेशी मुद्राओं में उपलब्ध है, जिनमें यूएस डॉलर, ब्रिटिश पाउंड, यूरो, कैनेडियन डॉलर और ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (एयूडी) शामिल हैं। पीएनबी की एफसीएनआर (बी) जमा योजना मुख्यतः कई लाभ भी प्रदान करती है, जिसमें एक वर्ष की लॉक-इन अवधि और मूलधन एवं ब्याज दोनों का पूर्ण प्रत्यावर्तन शामिल है। यह उन अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए एक आकर्षक निवेश विकल्प बनाता है जो अपनी विदेशी कमाई के प्रबंधन में लचीलापन बनाए रखने के साथ-साथ स्थिर रिटर्न पाना चाहते हैं। अधिक जानकारी के लिए, ग्राहक पीएनबी एनआरआई सेल दिल्ली से संपर्क कर सकते हैं।

जय फाउंडेशन सामाजिक संस्था द्वारा जरूरतमंद विद्यार्थियों को नोटबुक वितरण

मुंबई, वर्ली (उत्तरशक्ति)। शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए जय फाउंडेशन सामाजिक संस्था, वर्ली मुंबई द्वारा शुक्रवार, 19 जून को सुबह 11:00 बजे जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए नोटबुक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराकर उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष श्रीमती जया छेड़ा एवं सचिव सुमन त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता सुनील शुक्ला, श्रीमती नंद वर्मा, नीति वाढैया, विमल पवार तथा कमलेश मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और समाज के सक्षम वर्ग से ऐसे जनहितकारी कार्यों में सहयोग करने का आह्वान किया। संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि शिक्षा समाज के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है और किसी भी बच्चे की पढ़ाई केवल संसाधनों के अभाव में बाधित नहीं होनी चाहिए। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के जरूरतमंद विद्यार्थियों को नोटबुक वितरित की गईं, ताकि वे अपनी पढ़ाई को बेहतर ढंग से जारी रख सकें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। नोटबुक प्राप्त करने वाले बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह स्पष्ट दिखाई दिया। अभिभावकों ने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बहुत मददगार साबित होते हैं। अंत में संस्था की अध्यक्ष श्रीमती जया छेड़ा ने सभी सहयोगकताओं, समाजसेवियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जय फाउंडेशन भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण से जुड़े विभिन्न जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं समाज सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

श्री समर्थ रियल एस्टेट कंसल्टेंट की ग्रैंड ओपनिंग में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने की शिरकत

वसई। वसई में श्री समर्थ रियल एस्टेट कंसल्टेंट के नए कार्यालय की ग्रैंड ओपनिंग समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए संस्था के नए सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि नए उद्यम स्थानीय विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने श्री समर्थ रियल एस्टेट कंसल्टेंट की पूरी टीम को उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर धनंजय शास्त्री, एडवोकेट निषाद पारीख, एडवोकेट आदर्श कनौजिया, सुनील मुल्ये, संजय मुल्ये, सिबू नायर, कॉर्पोरेटर श्रीमती निम्मी निपुण दोशी, कॉर्पोरेटर श्रीमती अपर्णा पाटिल, कल्पेश पांडे, मनोज गुप्ता, मिकी आनंद, नीलेश भानुसे, योगेश भानुसे, निपुण दोशी, गोपी मेनन और श्रीमती देवयानी शाह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने श्री समर्थ रियल एस्टेट कंसल्टेंट के नए वेंचर की सराहना करते हुए इसके सफल और समृद्ध भविष्य की कामना की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां सभी ने संस्था की निरंतर प्रगति और नए कीर्तिमान स्थापित करने की उम्मीद जताई।

मानखुर्द के वीर जीजा माता मार्ग संकल्प वसाहत में गंदगी का साम्राज्य

मुंबई। एक तरफ केंद्र तथा राज्य सरकार जहां पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान चलाए हुए है वहीं दूसरी तरफ मानखुर्द के वीर जीजा माता मार्ग संकल्प वसाहत करबला चाल में गंदगी के अलावा रास्तों की हालत खस्ता बनी हुई है। खास बात यह है कि २० साल पूर्व बसी इस झोपड़पट्टी में आज भी नागरिक सुविधाओं का अभाव है। जिसके कारण यहां के नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई व नवी मुंबई के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार ने स्थानीय नगरसेवक नवनाथ बन से यहां रास्ता और पानी निकासी के लिए नाली बनाने की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार मानखुर्द के वीर जीजा माता मार्ग संकल्प वसाहत २० साल पूर्व ट्रांजिट कैंप के नाम से बसाई गई थी। अधिकांश लोग रेल पटरियों के किनारे से यहां पुनर्वासित किए गए हैं। यहां ९०० के आसपास झोपड़े है। जहां बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग निवास करते हैं। लेकिन इस झोपड़पट्टी में आज भी रास्ते और पानी निकासी नालियों का अभाव है। आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई व नवी मुंबई के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार ने इस झोपड़पट्टी का दौरा करते हुए बताया कि मनपा द्वारा इस झोपड़पट्टी की साफ सफाई न किए जाने से यहां कचरे का अंबार लगा हुआ है। इस कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से यहां बीमारियों का प्रकोप बढ़ने की संभावना है। दूसरी खास बात यह है कि यहां ऊबड़ खाबड़ रास्तों को आज तक नहीं बनाया गया। जिसके कारण बरसात के मौसम में इन रास्तों पर पानी जमा होने से स्थानीय लोगों को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। संतोष